



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 32] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 12, 1989 (श्रावण 21, 1911)
No. 32] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 12, 1989 (SRAVANA 21, 1911)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं :

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

ग्रहरी बैंक विभाग

“दि ग्राकोड” विश्व व्यापार केन्द्र

वम्बई-400005, दिनांक 18 जुलाई 1989

भू०बो०बो०बो०धारा-98/ए-18/89-90—बैंककारी विनियमन अधिनियम 1949 की धारा 56 के खंड (यक) के साथ पठित धारा 36 ए की उपधारा (2) के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक एतद्वारा यह अधिसूचित करता है कि निम्नलिखित वेतनभोगी समिति उपर्युक्त अधिनियम की परिभाषा के अन्तर्गत सहकारी बैंक नहीं रह गया है।

| समिति का नाम | राज्य |
|---|--------|
| भूमिनिपल कारपोरेशन आफ दिल्ली एम्पलाइज को-ऑपरेटिव फ्लैट एण्ड क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड | दिल्ली |

1-199 GI/89

समिति का नाम

राज्य

रूम नं० 3, कच्चा बाग, टाउन हाल चांदनी चौक, दिल्ली-6।

पी० बी० माधुर,
संयुक्त मुख्य अधिकारी

लोक श्रृणु कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1989

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम की जो प्रसिद्धियां आदि खो गई हैं और जिसके सम्बन्ध में यह विश्वास करने के लिए प्रत्यक्षतः आधार है कि वे खो गई हैं और उनके आवेदकों का दावा व्यापपूर्ण है, उनकी निम्नलिखित 30 जून 1989 को समाप्त हुई छमाही की सूची का विज्ञापन, इण्डस्ट्रियल फाइनेंस कारपोरेशन आफ इंडिया (इगू) एंड मैनजमेंट आफ बॉण्ड्स रीगलेशन 1949 के विनियम 10 के अनुसार इसके द्वारा किया

(741)

जाता है। नीचे जिन वाक्पदों के नाम दिये गए हैं उनको छोड़कर अन्य ऐसे सभी व्यक्तियों, जिनका इन प्रतिभूतियों पर कोई दावा हो, को चाहिये कि ये प्रबन्धक, भारतीय रिजर्व बैंक, लोक अदालत, नई दिल्ली को तुरन्त सूचित करें:—

यह सूची दो भागों में विभाजित की गई है। भाग "क" उन प्रतिभूतियों की सूची है जिनका विज्ञापन अभी पहली बार किया जा रहा है और भाग "ख" उन प्रतिभूतियों की सूची है जिनका विज्ञापन पहले किया जा चुका है।

सूची "क"

| प्रतिभूति की सं० | मूल्य रा० रु० | किसके नाम जारी की गई | किस दिनांक से व्याज देय है | अनुलिपि जारी करने और/या भुगतान मूल्य की अवधि के लिए दावा करने वाले/वालों (का) के नाम | जारी किए गए आदेश की संख्या और दिनांक |
|------------------|------------------|-------------------------|-------------------------------|--|---|
| कुछ नहीं | | | | | |

सूची "ख"

| प्रतिभूति की संख्या | मूल्य रा० रु० | किसके नाम जारी की गई | किस दिनांक से व्याज देय है | अनुलिपि जारी करने और/या भुगतान मूल्य की अवधि के लिए दावा करने वाले (वालों) (का) के नाम | जारी किए गए आदेशों की सं० और दिनांक | प्रकाशन की वह तिथि जब उस प्रतिभूति का पहले उल्लेख किया गया |
|---|------------------|--------------------------|-------------------------------|--|--|--|
| 6.23 प्रतिशत इण्डस्ट्रियल फाइनेंस कारपोरेशन आफ इण्डिया बण्ड्स 1988 (सेकेंड सीरीज) | | | | | | |
| बीएच 000241 | 10,000/- | विनोद कुमार एंड कंपनी | 14-6-1980 | ट्रस्टीज सुमीटोमों इण्डियन स्टाफ प्रोवीडेंट फंड | आई० एफ० सी०/ एल० एन०-2 दिनांक 3-2-87 | 8-8-1987 |

बी० एम० एल० सहगल,
संयुक्त प्रबंधक

बंगलौर, दिनांक 28 जुलाई 1989

30-6-89 को समाप्त छमाही के लिए खोए गए आवि भारतीय औद्योगिक वित्त निगम बांड की सूची का प्रकाशन

भाग क

कुछ नहीं

भाग-ख

6 प्रतिशत भारतीय औद्योगिक वित्त निगम बांड 1985 (II श्रृंखला)

| प्रतिभूति की संख्या | मूल्य रु० में | जिसके नाम जारी | किस तारीख से व्याजयुक्त | अनुलिपि जारी करने और/या वित्तित मूल्य के भुगतान के लिए दावेदार का/के नाम | जारी किए गए अनुदेशों की संख्या और तारीख | प्रकाशन सूची की तिथि जिसमें प्रतिभूति का प्रथम प्रकाशन हुआ। |
|---------------------|---------------|---|----------------------------|---|---|--|
| बीएल० 000092 | रु० 50000/- | दि कर्नाटक इंडस्ट्रियल को ऑपरेटिव बैंक लि० | 29-10-84 | दि कर्नाटक इंडस्ट्रियल को ऑपरेटिव बैंक लि० | सी० ओ० 697 दि० 27-9-88 | दि० 12-11-88 |
| बीएल० 000093 | रु० 50000/- | वही | | | | |

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

कर्मचारियों के प्रतिनिधि

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1989

सं० एन-15/13/13/3/84--योजना एवं विकास (2) कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम 1950) के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 16-7-1989 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा उत्तर प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा निगम 1954 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ उत्तर प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में वीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

अर्थात्

"शाहजहापुर के अन्तर्गत नगरपालिका सीमा/छावनी सीमा एवं राजस्व ग्राम रमौर, चम्बेरा, धुरसरिया, मिश्रीपुर, अहमदपुर, न्याजपुर ग्राम जिसमें श्राव्यांगिक क्षेत्र रोवा है के विशाल क्षेत्र अर्थात् बलिया, हरौरा, बुर्ज, सटमबिया, जमुश्रीम, करौदा, भरड़ा, नालपुर, जमौर, अंकरा, रसूलपुर अकरी रसूलपुर, अटमबिया सदर नहलील शाहजहापुर, परगना व जिला शाहजहापुर।"

एम० घोष,
(निदेशक, योजना एवं विकास)

क्षेत्रीय कार्यालय उड़ीसा

भूतनंश्वर-751007, दिनांक 26 अप्रैल 1989

विषय:- हीराकुद क्षेत्र, हीराकुद की स्थानीय समिति का पुनर्गठन।

सं० 44 की 34/12/13/89-समन्वय-एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि सं० रा० बी (साधारण) विनियम 1950 के विनियम 10 ए के अन्तर्गत उड़ीसा राज्य में हीराकुद के क्षेत्राधिकार में आने वाले क्षेत्रों के लिए स्थापित स्थानीय समिति का पुनर्गठन किया गया है जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति अध्यक्ष तथा सदस्य होंगे:-

- विनियम 10-ए (1) (ए) के अन्तर्गत :
उप श्रम आयुक्त, सम्बलपुर अध्यक्ष
- विनियम 10 ए (1) (बी) के अन्तर्गत :
जिला श्रम अधिकारी, सम्बलपुर सदस्य
- विनियम 10 ए (1) (सी) के अन्तर्गत :
प्रभारी बीमा चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा अधिधालय,
हीराकुद। सदस्य
- विनियम 10 ए (1) (डी) के अन्तर्गत :

नियोजकों के प्रतिनिधि

- श्री अशोक कुमार पात्र, कार्मिक अधिकारी अल्युमिनियम इण्डस्ट्रीज, हीराकुद। सदस्य
- श्री कृष्ण नारायण, प्रबन्धक (कार्मिक) हीराकुद इण्डस्ट्रीज वर्क्स, हीराकुद। सदस्य
- श्री रविनारायण माहपात्र, चिकित्सा अधिकारी, इण्डियन अल्युमिनियम कम्पनी, हीराकुद। सदस्य
- विनियम 10-ए (1) (ई) के अन्तर्गत :

- श्री लक्ष्मी कान्त दाग, टनर हीराकुद इण्डस्ट्रियल वर्क्स, हीराकुद सदस्य
- श्री कृष्ण चन्द्र बिस्वाल, लैब एंटेन्डेंट, इण्डियन अल्युमिनियम कम्पनी, हीराकुद। सदस्य
- श्री कमल कुमार रथ, सुरक्षा गाडी, अल्युमिनियम इण्डस्ट्रीज, हीराकुद सदस्य
- विनियम 10-ए (1) (एफ) के अन्तर्गत :
प्रबन्धक स्थानीय कार्यालय कर्मचारी राज्य बीमा निगम, हीराकुद सदस्य तथा पदेन सचिव

यह पुनर्गठन अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से लागू होगा।

दिनांक 24 जुलाई 1989

विषय:-स्थानीय समिति का पुनर्गठन

सं० 44-बी 34-12-6-82-समन्वय-एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि सं० रा० बी (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 10-ए के अन्तर्गत स्थापित स्थानीय समिति, चौद्वार का इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से पुनर्गठन किया गया है जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे।

- विनियम 10-ए (1) (ए) के अन्तर्गत :
उप श्रम आयुक्त, कटक अध्यक्ष
- विनियम 10-ए (1) (बी) के अन्तर्गत :
जिला श्रम अधिकारी, कटक सदस्य
- विनियम 10-ए (1) (सी) के अन्तर्गत :
अधीक्षक, सं० रा० बी० अस्पताल, चौद्वार सदस्य
- विनियम 10-ए (1) (डी) के अन्तर्गत :

नियोजकों के प्रतिनिधि

- श्री आर० के० पण्डा, मैसर्स श्री० टी० एम० लिमिटेड, चौद्वार के कार्मिक विभाग के ए० एल० डब्ल्यू० श्री० सदस्य
- श्री एस० महापात्र, वरिष्ठ कार्मिक विभाग, टी० बी० एम० नं० 3, मिला, चौद्वार, सदस्य
- विनियम 10-ए (1) (ई) के अन्तर्गत :

कर्मचारियों के प्रतिनिधि

- श्री कैलाश चन्द्र नायक (जटिया श्रमजीवी कांग्रेस, चौद्वार की ओर से उड़ीसा वस्त्र मिल, चौद्वार के एक कर्मचारी) सदस्य
- श्री बालभद्र नायक (टी० पी० एम नं० 3, दौलताबाद, कटक के मजदूर संघ की ओर से)। सदस्य
- विनियम 10-ए (1) (एफ) के अन्तर्गत :
प्रबन्धक, स्थानीय कार्यालय, सं० रा० बी० निगम, चौद्वार पदेन सदस्य सचिव
- विजय कुमार, क्षेत्रीय निदेशक

संचार मंत्रालय

डाक विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 जुलाई 1989

सूचनाएं

सं० 25-18-89 एल०आई०—विभाग की अभिरक्षा से गुम हुई निम्नलिखित डाक जीवन बीमा पालिसियों के बारे में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन बीमा कलकत्ता को बीमाकर्ताओं के नाम दुहरी पालिसियां जारी करने के लिये प्राधिकृत कर दिया गया है। सर्वसाधारण को चेतावनी दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के बारे में लेन देन न करें।

| क्र०सं० | पालिसी संख्या | दिनांक | बीमाकर्ताओं का नाम | राशि (रुपये) |
|---------|---------------|---------|--------------------|--------------|
| 1. | 168571-सी | 28-7-76 | श्री आई० एस० गुरंग | 15,000/- |
| | ई० ए०/55 | | | |

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1989

सं० 25-15/89-एल०आई०—विभाग की अभिरक्षा से गुम हुई निम्नलिखित डाक जीवन बीमा पालिसियों के बारे में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमाकर्ताओं के नाम दुहरी पालिसियां जारी करने के लिए प्राधिकृत कर दिया गया है। सर्वसाधारण को चेतावनी दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के बारे में लेन-देन न करें।

| क्र० सं० | पालिसी संख्या | दिनांक | बीमाकर्ताओं का नाम | राशि (रुपये) |
|----------|---------------|---------|--------------------|--------------|
| 1. | 383589-पी | ई०ए०/58 | श्री नाथूराम खोसला | 5,000/- |

सं० 25-7/89-एल०आई०—विभाग की अभिरक्षा से गुम हुई निम्नलिखित डाक जीवन बीमा पालिसियों के बारे में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन बीमा कलकत्ता को बीमाकर्ताओं के नाम दुहरी पालिसियां जारी करने के लिए प्राधिकृत कर दिया गया है। सर्वसाधारण को चेतावनी दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के बारे में लेन-देन न करें।

| क्र० सं० | पालिसी संख्या | दिनांक | बीमाकर्ताओं का नाम | राशि (रुपये) |
|----------|---------------|--------|--------------------|--------------|
| 1. | 314351-पी | | श्री लाल सिंह | 8,000/- |

ज्योत्सना धीम, निदेशक (पी०एल०आई०)

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 27 जुलाई 1989

गृहि पत्र

पी-IV/1 (9)/86-दिनांक 8 मई, 1989 को भारत के राजपत्र, भाग-III, खंड-4 में प्रकाशित प्रथम अधिसूचना संख्या पी-IV/1 (9)/86 में —

(I) शब्द "कर्मचारी भविष्य निधि संगठन" के बाव शब्द "निधि अधिकारी" के स्थान पर शब्द "विधि अधिकारी" पढ़ें।

(II) क्रम संख्या 1(i) में शब्द "कर्मचारी भविष्य निधि संगठन" के बाव शब्द "निधि अधिकारी" के स्थान पर शब्द "विधि अधिकारी" पढ़ें।

(III) पैरा 2 में अर्थात् के रूप में व्याख्या वाले पैरा में "साधारणतः" शब्द के बीच "—" लगाएं।

2. द्वितीय अधिसूचना जो कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, निदेशक (संरचना) भर्ती नियम, 1985 से सम्बंधित है, में—
शब्द "4 वर्ष से अधिक नहीं है।" के नीचे शब्द "पाद टिप्पणी" जोड़े और उसके नीचे दी गई "दिनांक 15 जून, 1986" के स्थान पर "15 जून, 1985" पढ़ें।

दिनांक 1 अगस्त 1989

सं०पी-IV/1(12)/85 भाग-कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5(घ) की उपधारा 7(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, हिन्दी अनुवादक (ग्रेड-II) भर्ती नियम, 1983 में एतद्वारा संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (I) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन हिन्दी अनुवादक (ग्रेड-II) भर्ती (संशोधन) नियम 1989 कहलाएंगे।

(II) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे।

2. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन हिन्दी अनुवादक (ग्रेड-II) भर्ती नियम, 1983 में "आयु में छील से संबंधित वर्तमान प्रविष्टियां जो कि निम्ने कालम 7 में है, को निम्नलिखित प्रकार से प्रविस्थापित किया जाएगा।

1 (1) "कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सामान्य उम्मीदवारों के मामलों में 40 वर्ष तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों के मामले में 45 वर्ष तक छील दी जाएगी।"

(II) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थायित्व निकायों तथा निगमों में कार्यरत सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तक छील दी जाएगी।

पाद टिप्पणी :

मूल नियम अधिसूचना सं० पी०-III/अ० प्रशा०/11/14(3)/79, दिनांक 9-6-1983 द्वारा भारतीय राजपत्र के भाग-III, धारा-4 में दिनांक 25 जून, 1983 में प्रकाशित किए गए थे।

सं० पी०-IV/1(12)/85/भाग—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5(घ) की उपधारा 7(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि, कर्मचारी निधि संगठन आशुलिपिक भर्ती विनियम, 1986 में एतद्वारा संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्:—

1. (I) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन आशुलिपिक भर्ती (संशोधन) नियम, 1989 कहलाएंगे।

(II) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे

2. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन आशुलिपिक भर्ती नियम, 1986 में आयु में छील से संबंधित आशुलिपिक (ग्रेड-II) तथा (ग्रेड-III) की

प्रत्येक अनुसूची के नीचे कालम 7 में दर्शायी गयी वर्तमान प्रविष्टियों को निम्नलिखित प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

“सरकारी कर्मचारियों के मामलों में 35 वर्ष तथा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सामान्य उम्मीदवारों के मामलों में 10 वर्ष तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के मामलों में 45 वर्ष तक ढील दी जाएगी।”

पाद टिप्पणी :

मूल नियम अधिसूचना सं० पी० IV/2(4)/83/आर० आर० दिनांक 15-7-86 द्वारा भारतीय राजपत्र के भाग-III, धारा-1 में दिनांक 26-7-86 को प्रकाशित किए गये थे।

सं० पी० I/V/1(12)/85/भाग—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5(घ) की उपधारा 7(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष तथा पुस्तकालय परिचर भर्ती विनियम, 1985 में एतद्वारा संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्—

1 (i) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष तथा पुस्तकालय परिचर भर्ती (संशोधन) विनियम, 1989 कहलाएंगे।

(ii) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे।

2 कर्मचारी भविष्य निधि संगठन कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष तथा पुस्तकालय भर्ती विनियम, 1985 में आयु में ढील से संबंधित वर्तमान प्रविष्टियाँ, जो कि कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष तथा पुस्तकालय परिचर की प्रत्येक अनुसूची के कालम 7 के नीचे हैं, को निम्नलिखित प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

“सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तथा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सामान्य उम्मीदवारों के मामलों में 40 वर्ष तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के मामलों में 45 वर्ष तक ढील दी जाएगी।

पाद टिप्पणी:

मूल विनियम अधिसूचना सं० पी० III/2(3)/83/आर० आर०/पी० IV दिनांक 16-1-85 द्वारा भारतीय राजपत्र के भाग-III, धारा-4 में दिनांक 4-5-85 को प्रकाशित किए गए थे।

सं० पी० IV/1(12)/85/भाग—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा (5-III) की उपधारा 7(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन बिजली मिस्त्री (वायरमैन) के भर्ती नियम, 1986 में एतद्वारा संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

1. (i) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन बिजली मिस्त्री (वायरमैन) भर्ती (संशोधन) विनियम, 1989 कहलाएंगे।

(ii) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे।

2. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन बिजली मिस्त्री (वायरमैन) भर्ती नियम, 1986 में आयु में ढील से सम्बन्धित वर्तमान प्रविष्टियों का जो कि अनुसूची के नीचे कालम 6 में है, निम्नलिखित प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

“सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तथा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के उम्मीदवारों के मामलों में 40 वर्ष तथा अनुसूचित जाति/जनजाति के उम्मीदवारों के मामलों में 45 वर्ष तक ढील दी जाएगी।”

पाद टिप्पणी:—

मूल नियम अधिसूचना पी० IV में 2(3) बिजली मिस्त्री/84 दिनांक 7-2-86 द्वारा भारतीय राजपत्र के भाग-III, धारा-4 में दिनांक 22-2-86 में प्रकाशित किए गए थे।

सं० पी० IV/1(12)/85/भाग—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5 (घ) की उपधारा 7(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन पलम्बर तथा पम्प ऑपरेटर भर्ती नियम, 1986 में एतद्वारा संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

1. (i) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन पलम्बर तथा पम्प ऑपरेटर भर्ती (संशोधन) नियम, 1989 कहलाएंगे।

(ii) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे।

2 कर्मचारी भविष्य निधि संगठन पलम्बर तथा पम्प ऑपरेटर भर्ती नियम, 1986 में आयु में ढील से संबंधित वर्तमान प्रविष्टियाँ, जो कि अनुसूची के नीचे कालम 7 में हैं, को निम्नलिखित प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

“कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सामान्य उम्मीदवारों के मामलों में 40 वर्ष तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के मामलों में 45 वर्ष तक ढील दी जाएगी।”

पाद टिप्पणी :

मूल नियम अधिसूचना सं० पी० IV/1 (4)/84/आर० आर० दिनांक 11-7-86 द्वारा भारतीय राजपत्र के भाग-III, धारा-4 में दिनांक 26-7-86 को प्रकाशित किए गए थे।

सं० पी० IV/1(12)/85/भाग—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5(घ) की उपधारा 7(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, स्टाफ कार ड्राइवर/जीप ड्राइवर तथा डिस्पैच राइडर/स्कूटर ड्राइवर भर्ती विनियम, 1986 में एतद्वारा संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

1. (i) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन स्टाफ कार ड्राइवर/जीप ड्राइवर तथा डिस्पैच राइडर/स्कूटर ड्राइवर भर्ती (संशोधन) नियम, 1989 कहलाएंगे।

(ii) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे।

2. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन स्टाफ कार ड्राइवर/जीप ड्राइवर तथा डिस्पैच राइडर/स्कूटर ड्राइवर भर्ती विनियम, 1986 में आयु में ढील से संबंधित स्टाफ कार ड्राइवर/जीप ड्राइवर तथा डिस्पैच राइडर/स्कूटर ड्राइवर की प्रत्येक की अनुसूची के कालम 7 के नीचे आने वाली प्रविष्टियों को निम्नलिखित प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

“सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तथा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सामान्य उम्मीदवारों के मामलों में 40 वर्ष तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के मामलों में 45 वर्ष तक ढील दी जाएगी।”

पाद टिप्पणी:

मूल नियम अधिसूचना सं० पी० IV/2(1)/84/आर० आर०/एस० सी० डी० दिनांक 6-6-86 द्वारा भारतीय राजपत्र के भाग-III, धारा-4 में दिनांक 21-6-86 में प्रकाशित किए गए थे।

सं० पी० IV/1/(12)85/भाग—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5(घ) की उपधारा 7(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन जिल्दसाज (बाहंङर) भर्ती नियम, 1986 में एतद्द्वारा संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (i) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन जिल्दसाज (बाहंङर) भर्ती (संशोधन) नियम, 1989 कहलायेंगे।
- (ii) ये सरकार के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे।
2. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन जिल्दसाज (बाहंङर) भर्ती विनियम, 1986 में आयु में छील से संबंधित वर्तमान प्रविष्टियाँ जो कि अनुसूची के कालम 7 के नीचे हैं, को निम्नलिखित प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

“कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के कर्मचारियों में से सामान्य उम्मीदवारों के मामलों में 40 वर्ष तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के मामलों में 45 वर्ष तक छील दी जाएगी।”

पात्र टिप्पणी :

इस नियम अधिनियम सं० पी० IV/1(3)/86 दिनांक 16-1-87 द्वारा भारतीय राजपत्र के भाग-III, भाग-4 में दिनांक 31-1-87 को प्रकाशित किए गये थे।

श्री० ए०० सोम

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

मथा

राजिव, केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि

भारतीय श्राव्योगिक वित्त नियम

नई दिल्ली

भारत के राजपत्र, भाग-III, खण्ड 1 दिनांक 22 अप्रैल, 1989 से पृष्ठ संख्या 173 से 190 पर

प्रकाशित भारतीय श्राव्योगिक वित्त नियम कर्मचारी भविष्य निधि विनियम, 1948 का सुद्धि-पत्र

| क्रम सं० | पृष्ठ सं० | कालम व पंक्ति संख्या | अनुद्ध | सूत्र |
|----------|-----------|---|---|--|
| 1. | 473 | कालम 2, विनियम 13 (ग) (ii) | न्यायालय | न्यायालय |
| 2. | .. | परन्तुक की पाचवी पंक्ति परन्तुक की दसवी पंक्ति | एक दश से अनाधिक अभिदाना, या उसके नामित या | एक वर्ष से अनाधिक अभिदाना, या उसके नामित या |
| 3. | 474 | कालम 1, विनियम 3, तीसरी पंक्ति | गण-संख्या | गण-संख्या में |
| 4. | .. | कालम 2, विनियम 6, दूसरा पैरा, चौथी पंक्ति | यदि कोई हो, कोई, की | यदि कोई हो, की |
| 5. | 475 | कालम 1, विनियम 8, प्रथम परन्तुक, 5 वी पंक्ति | नियुक्ति संविद | नियुक्ति सविदा |
| 6. | .. | कालम 2, विनियम 9 की तवी व दसवी पंक्ति | स्थिति पर | स्थिति के अनुसार |
| 7. | .. | कालम 2, विनियम 11(1) दूसरी पंक्ति | उस पर लगे व्याज अधिक | उस पर लगे व्याज से अधिक |
| 8. | 476 | कालम 1, विनियम 11 (1) (ख) | नियम के द्वारा किया जाएगा; | नियम के द्वारा लिखित रूप में रिक्त किए गए विशेष कारणों के अतिरिक्त अधिम प्रदान नहीं किया जाएगा; |
| 9. | .. | कालम 2, विनियम 12 (2), चौथी पंक्ति | कुछ बकाया हो, की | कुछ बकाया हो, को |
| 10. | .. | विनियम 13 | विनियम 13 | इन शब्दों को दिव्योगित समझा जाए |
| 11. | 477 | कालम 2, विनियम 14 (ख) | यदि अभिदाना के कदाचार | यदि अभिदाना को कदाचार |
| 12. | .. | विनियम 14(2) (i) | () | (i) |
| 13. | 480 | कालम 2, विनियम 15 (4) का परन्तुक | व्ययथानुसार | व्यवस्थानुसार |
| 14. | 480 | विनियम 15(5) (क) की प्रथम पंक्ति | विशिष्ट नामित | विशिष्ट नामित |
| 15. | 481 | कालम 1, सप्टीकरण-I | सप्टीकरण— | सप्टीकरण—I |

छावनी बोर्ड

भाग I—प्रारम्भिक

बैरकपुर छावनी, दिनांक 21 जुलाई, 1989

1. संक्षिप्त शीर्षक और निदेशों का प्रारम्भ

सं० का० नि० आ० ई०/II/24—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 284 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार छावनी बोर्ड की सूचना सं० ई०/II/24, तारीख 9 नवम्बर, 1988 के अधीन भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० नि० आ० 3, तारीख 20 दिसम्बर, 1956 के साथ बैरकपुर की छावनी में यानों के नियंत्रण और उनके किराए पर खलाए जाने तथा गैर यानों के स्थायित्व या चालकों को अनुज्ञप्ति दिए जाने को विनियमित करने के लिए उपविधियों का और संशोधन करने के लिए कतिपय उपविधियां प्रकाशित की गई थी जिनमें उन सभी व्यक्तियों में जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, 8 दिसम्बर, 1988 तक आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे; और केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिनियम की धारा 284 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उपविधियों का संशोधन करने संबंधी उक्त प्राप्ति अनुमोदित कर दिया है और उनकी पुष्टि कर दी है।

अतः अब, छावनी बोर्ड, बैरकपुर, छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 282 के खण्ड (25) और (26) तथा धारा 283 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बैरकपुर छावनी में ऐसे यानों के किराए पर चल रहे यानों के नियंत्रण और स्थायित्व या चालकों को अनुज्ञप्ति दिए जाने को विनियमित करने के लिए उपविधियों का निम्नलिखित और संशोधन करना है, अर्थात्:—

1. (i) इन उपविधियों का संक्षिप्त नाम यानों के नियंत्रण को विनियमित करने के लिए उपविधियां (संशोधन) 1989 है।

- (ii) ये राजपत्र से प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होंगी।

2. यानों के नियंत्रण को विनियमित करने के लिए उपविधियों, में उपविधि 6 से खण्ड (iii) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

- (i) उपविधि 4(घ) में उल्लिखित चौथे वर्ग के यानों के लिए अर्ध वर्ष या उसके भाग के लिए दस रुपए।

- (ii) उपविधि 21 के स्थान पर, निम्नलिखित उपविधि रखी जाएगी, अर्थात्:—

“21 उपविधि 4 से उल्लिखित किसी भी वर्ग के यान के चालक की अनुज्ञप्ति के लिए सदैव फीस अर्ध वर्ष या उसके भाग के लिए दो रुपए होगी।”

(काइल नं० 362590/बीकेपी/एलसी 3/कॉड/ईसी/डीई)

प्रचुर गोयल
छावनी अधिनासी अधिकारी
बैरकपुर छावनी

राष्ट्रीय आवास बैंक
(भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पूर्णतः स्थापित)

बम्बई-400023, दिनांक 26 जून, 1989

सं० एनएनबी० एफएफसी० डीआईआर० 1/सीएमडी-89—राष्ट्रीय आवास बैंक, एक प्रमुख एजेंसी के रूप में, यह विचार करने के बाद कि नीचे लिखे निदेश जारी करना जनहित में आवश्यक है, राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) की धारा 30 और 31 द्वारा प्रदत्त अधिकारों और इस कार्य के लिए उसे प्रदान किए गए सभी अधिकारों का प्रयोग करते हुए, प्रत्येक आवास वित्त कंपनी को, इसके द्वारा, इससे आगे बताया गए निदेश देता है।

ये निदेश आवास वित्त कंपनी (राष्ट्रीय आवास बैंक) निदेश, 1989 के नाम से जाने जाएंगे। ये निदेश 26 जून, 1989 से लागू होंगे और इन निदेशों में उनके प्रारम्भ होने की तारीख के आरंभ में कोई संदर्भ उस तारीख का संदर्भ माना जाएगा।

2. परिभाषाएं:

(1) इन निदेशों में जब तक संदर्भ द्वारा अन्यथा अपेक्षित न हो,

(क) “कम्पनी” का अर्थ भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45अ (क) में यथा परिभाषित कंपनी है, परन्तु इसमें ऐसी कोई कम्पनी सम्मिलित नहीं है जिसका तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अन्तर्गत परिभाषित किया जा रहा हो

(ख) “बैंकिंग कम्पनी” का अर्थ है बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 1) की धारा 5(ग) में यथा परिभाषित कोई बैंकिंग कम्पनी;

(ग) “आवास वित्त कम्पनी” का अर्थ है राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) की धारा 2(घ) में यथा परिभाषित कोई संस्था, परन्तु इसमें कोई फर्म अथवा व्यक्तियों का गैर-निगमित संघ सम्मिलित नहीं है;

(घ) “जमाराशि” का अर्थ वही होगा जो भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 की 2) की धारा 45अ(खख) में बताया गया है;

(ङ) “जमाकर्ता” का अर्थ है ऐसा कोई भी व्यक्ति जिसने आवास वित्त कम्पनी के पास जमाराशि जमा की है;

(च) “निर्बंध प्रारक्षित निधियों” में शेयर प्रीमियम खाते में शेष राशि, पूंजी और डिबेंचर बहिष्करण प्रारक्षित निधि और कोई अन्य प्रारक्षित निधि सम्मिलित है जो किसी कम्पनी के तुलन-पत्र में दिखाई गयी या प्रकाशित की गयी हो और ऐसे लाभों का आवंटन करके सृजित की गई हो जो निम्नलिखित प्रकार के न हों:

(i) किसी भावी देयता की चुकोती करने के लिए अथवा आस्तियों के मूल्यवृद्धि के लिए अथवा अशोध्य ऋण के लिए सृजित प्रारक्षित निधि अथवा

(ii) कम्पनी की आस्तियों का पुनर्मूल्यांकन कर के सृजित की गयी प्रारक्षित निधि;

(छ) “प्रतिभूतियों” का अर्थ है शेयर, स्टॉक, बांड, डिबेंचर, डिबेंचर स्टॉक या सरकार अथवा किसी अन्य स्थानीय प्राधिकरण द्वारा जारी की गई प्रतिभूतियां अथवा उसी प्रकार की अन्य विपणन योग्य प्रतिभूतियां;

(ज) वे शब्द या अभिव्यक्तियां जो यहाँ इस्तेमाल की गई हैं किन्तु यहाँ परिभाषित नहीं की गयी हैं और राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, (1987 (1987 का 53) में परिभाषित की गयी हैं, उनका अर्थ वही होगा जो उक्त अधिनियम में बताया गया कोई अन्य शब्द या अभिव्यक्तियां जो न तो यहाँ परिभाषित की गयी हैं और न ही राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) में, उनका अर्थ वही होगा

औ भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2), बैंककारी विनियमन अधिनियम 1949 (1949 का 10) और कपमो अधिनियम, 1956 (1956 का 1) में बनाया गया है।

(2) (क) यदि प्रश्न उठ खड़ा हो कि क्या कोई कम्पनी वित्तीय संस्था है या नहीं, तो ऐसे प्रश्न के संबंध में राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा केन्द्र सरकार से परामर्श करके निर्णय किया जाएगा।

(ख) यदि प्रश्न उठ खड़ा हो कि क्या कोई कम्पनी आवास वित्त कम्पनी है या नहीं, तो राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा उसका निर्णय कम्पनी द्वारा प्रमुख रूप से किए जाने वाले कारोबार और अन्य कारणों को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

3. धन की कुछ प्रकार जमा राशियों पर निदेशों का लागू न होना

इन निदेशों के पैराग्राफ 4 से 11 और 16 में दी गई कोई भी बात किसी आवास वित्त कम्पनी द्वारा प्राप्त निम्नलिखित प्रकार की जमाराशियों पर लागू नहीं होगी:

(i) केन्द्र सरकार अथवा किसी राज्य सरकार से प्राप्त कोई धन अथवा किसी अन्य स्रोत से प्राप्त कोई ऐसा धन, जिसकी चुकौती केन्द्र सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा प्रत्याभूत है अथवा किसी स्थानीय प्राधिकरण अथवा विदेशी सरकार अथवा किसी अन्य प्राधिकरण से प्राप्त कोई धन;

(ii) किसी बैंककारी कम्पनी से अथवा भारतीय स्टेट बैंक अथवा बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 51 के अधीन केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचित किसी बैंककारी संस्था से अथवा बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) की धारा 3 में यथापरिभाषित अथवा बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 40) की धारा 3 में यथापरिभाषित किसी सधनून्पी नये बैंक से अथवा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) के अन्तर्गत स्थापित किसी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक से अथवा भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 2 के खंड (ख ii) में यथा परिभाषित किसी सहकारी बैंक से प्राप्त कोई धन;

(iii) राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) के अधीन स्थापित राष्ट्रीय आवास बैंक अथवा भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) के अधीन स्थापित भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अथवा भारतीय कम्पमो अधिनियम, 1913 (1913 का 7) के स्थापित भारतीय औद्योगिक ऋण और निवेश निगम लि० अथवा औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 15) के अधीन स्थापित भारतीय औद्योगिक वित्त निगम अथवा भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक अधिनियम, 1984 (1984 का 62) के अधीन स्थापित भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक अथवा जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) के अधीन स्थापित भारतीय जीवन बीमा निगम अथवा भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) के अधीन स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट अथवा साधारण बीमा कारोबार (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 (1972 का 57) के साथ पठित बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) के अधीन स्थापित भारतीय साधारण

बीमा निगम और उगकी सहायक कम्पनियों अथवा केन्द्र सरकार अथवा किसी राज्य सरकार द्वारा पूर्णतः स्वाधिकृत किसी अन्य विनियम संस्था अथवा इन सम्बन्ध में राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा अधिसूचित की गयी किसी अन्य वित्तीय संस्था से प्राप्त कोई ऋण;

(iv) किसी ऐसी अन्य कम्पनी, जो भारत से बाहर निगमित कम्पनी न हो, से प्राप्त कोई धन;

(v) किसी ऐसे व्यक्ति जो धन की प्राप्ति के समय कम्पनी का निवेशक या अथवा है, से प्राप्त कोई धन अथवा किसी निजी कम्पनी, जिसमें ऐसी निजी कम्पनी सम्मिलित होगी जिसे अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 43 अ के उपबन्धों के कारण सार्वजनिक कम्पनी माना जाए, द्वारा अपने शेयरधारकों से प्राप्त कोई धन;

बशर्ते इन निदेशों के प्रारम्भ होने पर अथवा उसके बाद प्राप्त किसी धन के मामले में, जिस व्यक्ति से धन प्राप्त हुआ है उससे कम्पनी को धन प्राप्त होने के समय, लिखित रूप में घोषणा प्रस्तुत की है कि उसके द्वारा उक्त धन किसी अन्य व्यक्ति से उधार लेकर अथवा जमाराशि स्वीकार करके अर्जित की गयी निधियों में से नहीं दिया गया है।

(vi) कम्पनी के किसी कर्सचारी से जमानती जमाराशि के रूप प्राप्त कोई धन;

(vii) किसी त्रय एजेंट, विक्रय एजेंट अथवा अन्य एजेंट से कम्पनी के कारोबार के दौरान अथवा कारोबार के प्रयोजन के लिए जमानत के रूप में अथवा अग्रिम के रूप में प्राप्त कोई धन अथवा वस्तुओं अथवा सम्पत्तियों की आपूर्ति के लिए अथवा कोई सेवाएं प्रदान करने के लिए प्राप्त कोई अग्रिम;

(viii) डिबेंचर अथवा बांड जारी करके जुटाया गया कोई धन जो कम्पनी की अचल सम्पत्तियों अथवा उनके किसी अंश की गिरवी द्वारा रक्षित हो अथवा ऐसे डिबेंचर और बांड जिन्हें ईक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तित करने का विकल्प दिया गया हो, को जारी करके जुटायी गयी पूंजी;

बशर्ते अचल सम्पत्तियों की गिरवी द्वारा रक्षित डिबेंचरों और बांडों के मामले में, ऐसे डिबेंचरों और बांडों की राशि ऐसी अचल सम्पत्तियों में बाजार मूल्य से अधिक नहीं होगी;

(ix) किन्हीं ऐसे शेयरों अथवा स्टॉक के अभिवान के रूप में प्राप्त कोई धन, जिन शेयरों और स्टॉकों का आवंटन बाकी हो अथवा इस पैराग्राफ के खंड (viii) में विनिर्दिष्ट प्रकार के ऐसे डिबेंचरों और बांडों में अभिदान के रूप प्राप्त कोई धन, जिन डिबेंचरों और बांडों का आवंटन बाकी हो तथा कम्पनी के अन्तनियमों के अनुसार शेयरों के संबंध में अग्रिम मांग के रूप में प्राप्त कोई धन, जब तक कि कम्पनी के अन्तनियमों के अधीन शेयरधारकों को ऐसे धन की वापसी अदायगी न की जानी हो,

(x) न्यास के रूप में प्राप्त कोई धन अथवा कोई मार्गस्थ धन।

भाग II—जमाराशियां स्वीकार करना

4. जमाराशियां स्वीकार करना

(1) जमाराशियों की अन्वधि

26 जून 1989 को और उस तारीख से कोई भी आवास वित्त कम्पनी निम्नलिखित प्रकार की कोई जमाराशि स्वीकार नहीं करेगी अथवा 26 जून 1989 से पूर्व अथवा उसके पश्चात् स्वीकार की गयी किसी भी जमाराशि का नवीकरण नहीं करेगी।

- (क) जो गांग पर अथवा नोटिस पर प्रतिदेय हों; अथवा
(ख) जब तक ऐसी जमाराशि चौबीस महीनों में अधिक परन्तु ऐसी जमाराशि के स्वीकार करने अथवा नवीकरण करने की विधि में चौबीस महीनों से अधिक अवधि में प्रतिदेय न हो।

वर्तन किसी आवास वित्त कम्पनी द्वारा 26 जून 1986 से पहले स्वीकार की गयी जमाराशियों का जब तक इन निदेशों के अनुसार नवीकरण न किया जाये, उनकी चुकौती ऐसी जमाराशियों की शर्तों के अनुसार की जायेगी।

परन्तु यह भी कि इस उप-पैरा में निहित कोई भी बात डिसेंबर और बांड जारी करके जुटाये गये किसी धन के संबंध में लागू नहीं होगी।

स्पष्टीकरण

वहाँ कोई जमाराशि किस्तों में स्वीकार की जाती है; वहाँ जमाराशि की अवधि पहले किस्त प्राप्त होने की तारीख से गिनी जायेगी।

- (2) निर्धारित उच्चतम सीमा अधिक जमाराशियाँ स्वीकार करने अथवा उनका नवीकरण करने पर प्रतिबंध तथा पहले स्वीकार की गयी जमाराशियों और उच्चतम सीमाओं से अधिक रखी गयी जमाराशियों को विनियमित करना

26 जून 1989 को और उस तारीख से, कोई भी आवास वित्त कम्पनी ऐसी जमाराशियाँ नहीं रखेगी जिनकी समग्र राशि, उसके द्वारा धारित पैरा 3 के खंड (iii), (iii) में और (viii) में उल्लिखित राशियों सहित, यदि कोई हों तो, नीचे विनिर्दिष्ट सीमाओं से अधिक हो:—

| आवास वित्त कम्पनी की शुद्ध स्वाधिकृत निधियाँ | शुद्ध स्वाधिकृत निधियों के गैर-पत्र के रूप में उपर्युक्त उधार |
|--|---|
| (क) 10 करोड़ रुपये तक | 10 गुना |
| (ख) 10 करोड़ रुपये से अधिक परन्तु 20 करोड़ रुपये से कम | 12.5 गुना |
| (ग) 20 करोड़ रुपये से अधिक | 15 गुना |

वर्तन किसी आवास वित्त कम्पनी द्वारा राष्ट्रीय आवास बैंक से प्राप्त कोई ऋण इस खंड के प्रयोजन के लिए सम्मिलित नहीं किया जायेगा।

जहाँ किसी आवास वित्त कम्पनी के पास 26 जून 1989 को उपर विनिर्दिष्ट सीमाओं से अधिक जमाराशियाँ हों तो वह यह सुनिश्चित करेगी कि ऐसी अधिक राशि पहले अप्रैल 1990 से पहले, जमाराशियों की चौबीस महीने की अवधि अथवा इस प्रावधान के अनुपालन के लिए आवश्यक किसी अन्य रूप में कम कर दी जाती है।

स्पष्टीकरण :

इस पैरा के प्रयोजन के लिए, “शुद्ध” स्वाधिकृत निधियों का अर्थ होगा कम्पनी के नवीतम लेखा परीक्षित तुलन-पत्र में दर्शायी गयी कम्पनी की चुकता पूंजी और निबंध प्रारक्षित निधियों के जोड़ में से उक्त तुलन-पत्र में दर्शायी गयी गंभीर ऋण की राशि, आस्थगित राजस्व व्यय तथा कोई अन्य अर्पण आस्थियों, यदि कोई हों, को घटाकर प्राप्त राशि।

5. जमाराशियों प्राप्त करने के लिए आवेदन-पत्र में निर्धारित किये जाने वाले विवरण

26 जून 1989 को और उस तारीख से कोई भी आवास वित्त कम्पनी, आवास वित्त कम्पनी द्वारा दिये जाने वाले फार्म में, जमाकर्ता से लिखित आवेदन के बगैर कोई भी जमाराशि स्वीकार नहीं करेगी, उसका नवीकरण नहीं करेगी अथवा उसे परिवर्तित नहीं करेगी, उक्त फार्म में कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 58अ के अधीन बनाये गये गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी और विविध गैर-बैंकिंग कंपनी (विज्ञापन) नियम, 1977 में विनिर्दिष्ट सभी विवरण होंगे।

6. जमाकर्ताओं की रसीद देना

- (1) इन निदेशों के प्रवृत्त होने की तारीख से पहले या बाद में आवास वित्त कंपनी द्वारा जमाराशि के रूप में प्राप्त या प्राप्त राज के लिए प्रत्येक आवास वित्त कंपनी जमाकर्ता अथवा उसके एजेंट से रसीद देगी, यदि रसीद पहले न दी गयी हो।
- (2) उक्त रसीद पर आवास वित्त कम्पनी की ओर से हस्ताक्षर करने के लिए अधिकार प्राप्त अधिकारी विधिवत् हस्ताक्षर करेगा। इस रसीद में राशि जमा करने की तारीख, जमाकर्ता का नाम, आवास वित्त कंपनी द्वारा प्राप्त जमाराशि शब्दों और अंकों में, जमाराशि पर देय व्याज की दर और जमाराशि लौटाने की तारीख दर्शायी जायेगी।

7. जमाराशियों का रजिस्टर

(1) प्रत्येक आवास वित्त कंपनी एक अथवा अनेक रजिस्टर रखेगी जिसमें/जिनमें प्रत्येक जमाकर्ता के बारे में अलग निम्नलिखित विवरण लिखे जायेंगे, अर्थात् —

- (क) जमाकर्ता का नाम और पता
- (ख) प्रत्येक जमा की तारीख और जमा की गयी राशि
- (ग) प्रत्येक जमाराशि की अवधि और देय तारीख
- (घ) प्रत्येक जमाराशि पर उचित व्याज अथवा प्रीमियम की राशि और तारीख
- (ङ) मूलधन, व्याज अथवा प्रीमियम की प्रत्येक चुकौती की तारीख और राशि, और
- (च) जमाराशि से संबंधित कोई अन्य-विवरण।

(2) पूर्वोक्त रजिस्टर आवास वित्त कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में रखा जायेगा/रखे जायेंगे और जिसमें/जिनमें जमाराशि के विवरण समाविष्ट हैं उन्हे/उन्हें उस वित्तीय वर्ष के बाद कम से कम दस वर्ष तक अच्छी हालत में रखा जायेगा जिसमें जमाराशि की चुकौती या वित्तीय नवीकरण की अंतिम प्रविष्टि की गयी हो।

वर्तन यदि आवास वित्त कम्पनी, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उप-धारा (1) में उल्लिखित खाना बहियाँ उक्त उपधारा के परन्तुक के अनुसार अपने पंजीकृत कार्यालय के अलावा

किसी अन्य स्थान पर रखती है तो उसे इस पैरा का पर्याप्त अनुपातन समझा जायेगा, यदि पूर्वोक्त रजिस्टर किन्हीं ऐसे अन्य स्थान पर रखा गया है/थे हैं जो हम जहाँ पर होगा कि कम्पनी ने उक्त उप-धारा के परन्तुक के अन्तर्गत पंजीयक के पास जो नोटिस प्रस्तुत किया है, उस नोटिस की एक प्रति, नोटिस प्रस्तुत करने की तारीख से सात दिन के भीतर राष्ट्रीय आवास बैंक को भी जायेगी।

8. बोर्ड की रिपोर्ट में शामिल की जाने वाली सूचना

(1) इन निदेशों के प्रारम्भ होने की तारीख के बाद कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 217 की उप-धारा (1) के अधीन साधारण बैठक में आवास वित्त कम्पनी के सम्मुख प्रस्तुत निदेशक बोर्ड की प्रत्येक रिपोर्ट में निम्नलिखित विवरण अथवा सूचना शामिल की जायेगी, अर्थात्

(क) आवास वित्त कम्पनी के उन जमाकर्ताओं की कुल संख्या जिनकी जमा राशियों का दावा जमाकर्ताओं ने नहीं किया अथवा चुकौती या नवीकरण, जैसी भी स्थिति हो, के लिए दिये जाने की तारीख के बाद आवास वित्त कम्पनी ने जमाकर्ता के साथ की गयी संविदा अथवा इन निदेशों के उपबंधों के अनुसार, वे भी लागू हों, उन्हें जदा नहीं किया है, और

(ख) जमाकर्ताओं को देय कुल राजियाँ जो पूर्वोक्त खंड (क) में उल्लिखित तारीखों के बाद अर्जन हैं या जिनके बारे में दावा नहीं किया गया है।

(2) उक्त विवरण या सूचना रिपोर्ट से सम्बंधित वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख की स्थिति के सम्बंध में प्रस्तुत की जायेगी और पूर्ववर्ती उप-पैरा के खंड (ख) में उल्लिखित दावा न की गयी अथवा असंवि-रित कुल राशि यदि पांच लाख रुपये से अधिक होती है तो रिपोर्ट में इस आशय का एक विवरण भी शामिल किया जायेगा कि जमाकर्ताओं में देय राशियों और दावा न की गयी अथवा असंवि-रित राशियों की चुकौती के लिए निदेशक बोर्ड ने क्या कदम उठाये हैं अथवा क्या उपाय करने का प्रस्ताव किया है।

9. व्याज की दर और दलाली की उच्चतम सीमा

26 जून 1989 को और उस तारीख से, कोई भी आवास वित्त कम्पनी:—

(क) चौदह प्रतिशत वार्षिक से अधिक की दर पर जमा राशि आमंत्रित अथवा स्वीकार नहीं करेगी अथवा उसका नवीकरण नहीं करेगी;

(ख) किसी दलाल को उसके द्वारा अथवा उसके माध्यम से संग्रहीत जमा राशियों के लिए, ऐसी जमा राशियों के दो प्रतिशत (वार्षिक नहीं) से अधिक की दलाली, कमीशन, प्रोत्साहन अथवा कोई अन्य लाभ, चाहे उसे कोई भी नाम दिया जाये, अथवा नहीं करेगी।

10. जमा राशियों की चुकौती के संबंध में सामान्य प्रावधान

जहां आवास वित्त कंपनी जमा राशि को चुकौती, राशि जमा करने की तारीख से चौबीस महीनों में अधिक की अवधि बीत जाने के बाद किन्तु आवास वित्त कंपनी द्वारा स्वीकार की गयी जमा राशि की अवधि बीतने से पहले की जाती है, वहां ऐसी जमा राशि पर आवास वित्त कंपनी द्वारा देय व्याज की दर उस दर से एक प्रतिशत कम कर दी जायेगी जो आवास वित्त कंपनी उस दण्ड में सामान्य तौर पर अदा करती यदि जमा राशि उस अवधि के लिए स्वीकार की जाती जिसके लिए ऐसी जमा राशि रखी रही; आवास वित्त कंपनी ऐसी बटायी गयी दर से अधिक व्याज दर अथवा नहीं करेगी।

वर्षों इस पैराग्राफ में निहित कोई भी बात आवास वित्त कंपनी द्वारा ऐसी जमा राशि जिस अवधि के लिए स्वीकार की गयी थी, उस अवधि की समाप्ति से पूर्व किसी जमा राशि की अदायगी पर लागू नहीं होगी, यदि ऐसी अदायगी पूर्ण रूप से इन निदेशों के उपबंधों के अनुपालन के प्रयोजन के लिये की जाती है।

स्पष्टीकरण :

इस पैराग्राफ के प्रयोजन के लिए, जिस अवधि तक जमा राशि रखी रही, उस अवधि में पूरे वर्ष से कम की अवधि शामिल हो और वह छह महीने से कम हो तो, उसे छोड़ दिया जायेगा और यदि वह छह महीने या उससे अधिक हो तो उसे पूरे एक वर्ष के रूप में गिना जायेगा।

भाग III—विशेष उपबंध

11. अनिरुद्ध आस्तियों का न्यूनतम प्रतिशत बनाये रखना

प्रत्येक आवास वित्त कंपनी भारत में (क) अनुसूचित बैंक के पास रखे खाते में (प्रभार या पुनर्ग्रहणाधिकार से मुक्त) या (ख) भार रहित अनुमोदित प्रतिभूतियों में (ऐसी प्रतिभूतियों का मूल्यन फिलहाल उनके बाजार मूल्य पर किया जा रहा है) अथवा आंशिक रूप से ऐसे खाते में अथवा आंशिक रूप से ऐसी प्रतिभूतियों में ऐसी राशि बनाये रखेगी जो किसी दिन कारोबार समाप्त होने के समय आवास वित्त कंपनी की बहियों में उस दिन वर्षायी गयी जमा राशियों के बस प्रतिशत से कम नहीं होगी।

स्पष्टीकरण

इस पैराग्राफ के प्रयोजन के लिए

(क) "अनुमोदित प्रतिभूतियों" का अर्थ है प्रतिभूतियाँ जिनमें भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खंड (क), खंड (ख), खंड (खख), खंड (ग), खंड (घ) या खंड (छ) के अधीन किसी न्यासी को न्यास के धन का निवेश करने का अधिकार है;

(ख) "भार रहित अनुमोदित प्रतिभूतियों" में आवास वित्त कंपनी द्वारा किसी अन्य संस्था के पास अधिम या किसी अन्य श्रृण व्यवस्था के लिए रखी गयी अनुमोदित प्रतिभूतियाँ शामिल होंगी जो उसी सीमा तक होंगी जिस सीमा तक ऐसी प्रतिभूतियों पर कोई राशि नहीं ली गयी है अथवा प्राप्त नहीं की गयी है;

(ग) जमा खातों में शेष को उस सीमा तक जिस सीमा तक ऐसी जमा राशियों पर कोई राशि नहीं ली गयी है, अनिरुद्ध आस्तियों के रूप में माना जायेगा और हिसाब में लिया जायेगा।

भाग IV—विविध

12. राष्ट्रीय आवास बैंक को निदेशकों रिपोर्ट के साथ तुल्य-पत्र और लेखों की प्रतियाँ प्रस्तुत करना

प्रत्येक आवास वित्त कंपनी, राष्ट्रीय आवास बैंक को प्रत्येक वित्तीय वर्ष की अंतिम तिथि की स्थिति का लेखा-परीक्षित तुल्य-पत्र और उस वर्ष के संबंध में लेखा-परीक्षित लाभ-हानि लेखा, जो आवास वित्त कंपनी द्वारा साधारण बैठक में पारित किया गया हो, प्रस्तुत करेगी, जिसके साथ ऐसी बैठक में कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 217 (1) के अनुसार आवास वित्त कंपनी के समस्त प्रस्तुत

निदेशक बोर्ड की रिपोर्ट की प्रतिलिपि बैठक के 15 दिन के भीतर प्रस्तुत करेगी।

13. लेखा-परीक्षक और लेखा-परीक्षकों का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के लिए उपबंध

प्रत्येक आवास वित्त कंपनी राष्ट्रीय आवास बैंक को, पैराग्राफ 12 के अंतर्गत किये गये उपबंध के अनुसार लेखा-परीक्षित तुलन पत्र की प्रतिलिपि सहित, अपने लेखा-परीक्षकों, जो लेखा परीक्षकों के संस्थान (इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स) के सदस्य हों, का इस आशय का एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगी कि कंपनी के जमाकर्ताओं के प्रति पूर्ण देयताएं, उन पर देय ब्याज सहित, तुलन पत्र में उचित रूप से दर्शायी गयी हैं और कंपनी अपने जमाकर्ताओं के प्रति देयताओं की राशि की पूर्ति करने की स्थिति में हैं।

14. राष्ट्रीय आवास बैंक को प्रस्तुत की जानेवाली विवरणियां

1 (i) पैराग्राफ 12 के उपबंधों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, प्रत्येक आवास वित्त कंपनी राष्ट्रीय आवास बैंक को एक विवरणी प्रस्तुत करेगी, जिसमें इसके साथ संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट सूचना, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट तारीख की स्थिति के संदर्भ में देगी।

(ii) विवरणी की एक प्रति भारतीय रिजर्व बैंक को भी साथ-साथ भेजी जायेगी।

2 (i) प्रत्येक आवास वित्त कंपनी, इन निदेशों के प्रारंभ होने की तारीख से अथवा कारोबार प्रारंभ होने की तारीख से, जो भी बाब में हो, राष्ट्रीय आवास बैंक को एक लिखित विवरण प्रस्तुत करेगी जिसमें निम्नलिखित बातें हों—

(क) अपने प्रधान अधिकारियों के नाम, और आधिकारिक पदनाम;

(ख) आवास वित्त कंपनी के निदेशकों के नाम और आवासीय पते; तथा

(ग) आवास वित्त कंपनी की ओर से उप-पैराग्राफ (1) में विनिर्दिष्ट विवरणियों पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत अधिकारियों के नमूना हस्ताक्षर।

(ii) इस उप-पैराग्राफ के खंड (i) में उल्लिखित सूची में कोई परिवर्तन होने पर, ऐसे परिवर्तन होने की तारीख से एक महीने के भीतर उसकी सूचना राष्ट्रीय आवास बैंक को दी जायेगी।

15. तुलन-पत्र, विवरणियां आदि राष्ट्रीय आवास बैंक के बंबई स्थित कार्यालय को प्रस्तुत किया जाना

इन निदेशों के अनुसरण में राष्ट्रीय आवास बैंक को प्रस्तुत या प्रेषित करने के लिए अपेक्षित कोई तुलन-पत्र, विवरणी या सूचना राष्ट्रीय आवास बैंक के बंबई स्थित कार्यालय को प्रस्तुत या प्रेषित की जायेगी।

16. विज्ञापन के बदले में विवरण

(1) यदि कोई कंपनी इस प्रकार की जमा राशि को आमंत्रित किये बिना अथवा किसी अन्य व्यक्ति को ऐसी जमा राशियां आमंत्रित करने

की अनुमति दिये बिना अथवा उससे आमंत्रित करवाये बिना जमा-राशियां स्वीकार करना चाहती है, तो वह जमा राशियां स्वीकार करने से पहले बंबई स्थित राष्ट्रीय आवास बैंक के कार्यालय को विज्ञापन के बदले में एक विवरण पंजीकरण के लिए देगी जिसमें गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी और विविध गैर-बैंकिंग कंपनी (विज्ञापन) नियम, 1977 के अनुसार विज्ञापन में शामिल करने के लिए अपेक्षित सभी व्यंजक दिये गये हों।

(2) उप-पैरा (1) के अंतर्गत दिया गया विवरण उस वित्तीय वर्ष की समाप्ति की तारीख से छह महीने बीतने तक वैध रहेगा जिस वित्तीय वर्ष में यह दिया गया हो अथवा उस तारीख तक वैध रहेगा जिस तारीख को साधारण बैठक में आवास वित्त कंपनी के समक्ष तुलन-पत्र रखा गया हो अथवा जिस मामले में किसी वर्ष के लिए वार्षिक साधारण बैठक नहीं हुई हो तो वह अंतिम तारीख जिस तारीख तक कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के उपबंधों के अनुसार बैठक की जानी चाहिए थी, इनमें से जो भी पहले हो, और प्रत्येक आगामी वित्तीय वर्ष में उस वित्तीय वर्ष में जमा राशियां स्वीकार करने से पहले नया विवरण प्रस्तुत किया जायेगा।

17. छूट

राष्ट्रीय आवास बैंक, किसी कठिनाई से बचने के लिए या किसी अन्य उचित और पर्याप्त कारण होने पर, यदि वह ऐसा करना आवश्यक समझे तो किसी आवास वित्त कंपनी या आवास वित्त कंपनियों की धरोणी को इन निदेशों के सभी उपबंधों या किसी उपबंध के अनुपालन के संबंध में या तो सामान्य रूप में या किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए समय बढ़ा सकता है या छूट दे सकता है जो राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा निर्धारित शर्तों के अधीन होगी।

18 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेश, 1968 और 1977 के उल्लंघन के लिए की गयी या की जानेवाली कार्रवाई की व्याख्या

एतद्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेश, 1968 और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेश, 1977, समय-समय पर यथा संशोधित, का अधिकांश निम्नलिखित को प्रभावित नहीं करेगा—

(i) उसके अंतर्गत प्राप्त, प्रोद्भूत या उत्पन्न कोई अधिकार, दायित्व अथवा देयता;

(ii) उसके अंतर्गत किये गये किसी उल्लंघन के संबंध में दी जाने वाली शांति, जब्ती या दंड;

(iii) पूर्वोक्त रूप से किसी ऐसे अधिकार, विशेषाधिकार, दायित्व, देयता, शांति, जब्ती या दंड के संबंध में कोई जांच, कानूनी कार्रवाई या उपचार।

तथा ऐसी कोई जांच, कानूनी कार्रवाई या उपचार को शुरू किया जाये, जारी रखा जाये या प्रवर्तित किया जाये और ऐसी किसी शांति, जब्ती या दंड इस प्रकार किया जाये मानो कि उन निदेशों का अधिकांश न किया गया हो।

के० एस० शास्त्री,
अध्यक्ष

राष्ट्रीय आव.स बैंक

बम्बई

अनुसूची एचएफसी० डीआईआर-१

(रूपया दिनांक 26 जून, 1989 की अधिसूचना सं० एनएचबी० एचएफसी० डीआईआर-1/सीएमडी-89 का पैरा 14 देखें)

(सभी आवास वित्त कंपनियों द्वारा भरा जाए)

31 मार्च 19...की स्थिति के अनुसार विवरणी
(कृपया पृष्ठ सं० 3 पर अन्देश सं० 1 देखें)

1. कंपनी का नाम :
..... कंपनी काद@

2. पूरा पत्ता

(i) पंजीकृत कार्यालय :

पिन कोड

फोन सं०

(ii) प्रधान/प्रशासनिक कार्यालय* :

पिन कोड

फोन सं.

3. क्या सरकारी कंपनी है हां ☐ नहीं ☐

4. राज्य/संघशासित क्षेत्र जिसमें कंपनी

पजीकृत है कट @ □ □

नाम (विवरण)

5. स्थिति (i) पब्लिक लिमिटेड ☐
(ii) प्राइवेट लिमिटेड ☐
(iii) विदेशी कंपनी की शाखा ☐

6. दिनांक

(i) तिगमन

दि दि मा मा व व व व

[illegible]

दि दि मा मा व व व व

[illegible]

दि दि मा मा व व व व

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|

7. कारोबार का स्वरूप : कूट @ ☐

8. शाखाओं/कार्यालयों की संख्या:

9. कर्मचारियों की कुल संख्या: ६६

10. कंपनी एक नियंत्रक कंपनी है अथवा सहायक कंपनी है\$

11. कंपनी के लेखा परीक्षकों का/के नाम तथा पता(पते)

.....

12. कंपनी के बैंकों का/के नाम और पता (पते)

.....

@राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा नियत किया जाएगा।

*यदि यह स्थान पंजीकृत कार्यालय के अलावा कोई और स्थान है तो इसमें भरें।

+जो लागू हो उस खाने में ✓ चिन्ह लगायें।

\$कंपनी की शाखाएं/कार्यालय जहां स्थित हैं, उन स्थानों के नाम और पते दर्शाने वाली सूची संलग्न की जाए।

£इसमें पूर्णकालिक, अंशकालिक के अलावा अवैतनिक आधार पर काम करने वाले व्यक्तियों को शामिल किया जाए।

\$यदि वह सहायक कंपनी है तो नियंत्रक कंपनी का नाम दर्शाया जाए।

विवरणों भरने और प्रस्तुत करने संबंधी अनुदेश

1. यह विवरणी दिनांक 26 जून 1989 की अधिसूचना सं० एनएचबी० एचएफसी० डीआइआर-1/सीएमडी-89 के अन्तर्गत आने वाली आवास वित्त कंपनी द्वारा पूर्वोक्त अधिसूचना के पैरा 14 में यथाविविष्ट रूप में, संबंधित कंपनी के वित्तीय वर्ष की समाप्ति की तारीख पर विचार किये बिना, 31 मार्च की स्थिति के अनुसार संकलित करके बम्बई में राष्ट्रीय आवास बैंक के कार्यालय को वर्ष में एक बार 30 जून से पहले प्रस्तुत की जाए। विवरणी की एक प्रति संयुक्त मुख्य अधिकारी, वित्तीय कंपनी विभाग, केन्द्रीय कार्यालय कक्ष, भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजी जाए।

2. वार्षिक लेखों की लेखा-परीक्षा पूर्ण करने/समाप्त करने जैसे किन्हीं कारणों की वजह से विवरणी प्रस्तुत करने में विलंब नहीं किया जाना चाहिए। विवरणी का संकेतक कंपनी की लेखा बहियों में उपलब्ध आकड़ों के आधार पर किया जाना चाहिए।

3. खातों की संख्या वास्तविक आकड़ों में देनी चाहिए जबकि जमा राशियों की राशि हजार रुपयों में दर्शायी जाए। राशि निकटतम हजार में पूर्णांकित की जानी चाहिए। उदाहरण के तौर पर 4,560 रुपये की राशि 4.6 अथवा 5000 न दर्शाकर 5 के रूप में दर्शायी जाए। इसी तरह, 61,495 रुपये की राशि 61.4 अथवा 61000 न दर्शाकर 61 के रूप में दर्शायी जाए।

4. विवरणी के भाग 1 की मद सं० 7 के अन्तर्गत विविध ऋणों के सामने जमा राशियों का वर्गीकरण अवधि के अनुसार करना चाहिए। यह वर्गीकरण 31 मार्च के अवधि विवरणी की तारीख से उनकी बची हुई अवधि के अनुसार नहीं, बल्कि जिस अवधि के लिए उन्हें मूल रूप में प्राप्त किया गया/उत्पन्न अंतिम बार नवीकरण किया गया, उस अवधि के अनुसार होना चाहिए।

5. भाग 3 की मद 1 के अन्तर्गत उल्लिखित निबंध प्रारक्षित निधियों में शेयर प्रीमियम खाते की शेष राशि, पूंजी और डिबेंचर

शोधन प्रारक्षित निधि तथा मुलन पत्र में दर्शायी और प्रकाशित ऐसी कोई अन्य प्रारक्षित निधियां शामिल की जाये जिनका सृजन लाभों का विनियोजन करके किया गया हो, लेकिन जो निम्नलिखित प्रकार की न हो :

(i) ऐसी प्रारक्षित निधि जिसका सृजन किसी भावो देयता की चुकौती करने के लिए अथवा आस्तियों में मूल्यह्रास के लिए अथवा अशोध्य ऋणों के लिए किया गया हो अथवा

(ii) ऐसी प्रारक्षित निधि जिसका सृजन कंपनी की आस्तियों के पुनर्मूल्यन करके किया गया हो।

6. 26 जून, 1989 की अधिसूचना सं० एनएचबी० एचएफसी० डीआइआर-1/सीएमडी-89 के पैराग्राफ 14 द्वारा अपेक्षित प्रमुख अधि-कारियों के नामों और पदनामों के साथ ही कंपनी के निदेशकों के नाम और पदों की एक सूची यदि अब तक राष्ट्रीय आवास बैंक को न भेजी गयी हो तो उसे संलग्न करें और यदि सूची में कोई परिवर्तन हुआ हो तो राष्ट्रीय आवास बैंक के उस कार्यालय को उसकी सूचना के जहां यह विवरणी प्रस्तुत की जा रही है।

7. विवरणी पर प्रबन्धक (कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 2 में यथापरिभाषित) के हस्ताक्षर होने चाहिए और यदि प्रबन्धक न हो तो प्रबंध निदेशक द्वारा या निदेशक बोर्ड द्वारा विधिवत् प्राधिकृत कंपनी के किसी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किये जाने चाहिए, जिसके नमूना हस्ताक्षर राष्ट्रीय आवास बैंक को इस प्रयोजन के लिए प्रस्तुत किये गये हों। यदि नमूना हस्ताक्षर निर्धारित कार्ड में प्रस्तुत नहीं किये गये हों तो विवरणी पर प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किये जाये और उसके नमूना हस्ताक्षर अलग से भेजे जायें।

8. यदि विवरणी के किसी भाग में कुछ भी सूचना न दी जानी हो तो वहां "कुछ नहीं" लिखना चाहिए तथा प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी का विधिवत् हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र विवरण के साथ संलग्न करना चाहिए।

भाग-1

31 मार्च, 19— की स्थिति के अनुसार बकाया जमाराशियों के व्यौरे

(राशि हजार रुपयों में)

| मव सं० | विवरण | मव कुट | खातों की संख्या | राशि |
|-----------|--|-----------|-----------------|------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| 1. | गैर-जमानती डिबेंचर (नीचे दी गयी टिप्पणी (1) के अनुसार परिवर्तनीय या जमानती डिबेंचरों के अलावा) | 111 | | |
| 2. | वित्तिक कंपनी द्वारा अपने शेयरधारकों से प्राप्त जमाराशियां [नीचे दी गयी टिप्पणी (2) के अनुसार] | 112 | | |
| 3. | निवेशकों द्वारा उनकी निजी हैसियत ; भारंटीकृत जमाराशियां | 113 | | |
| 4. | कुल (1+2+3) | 110 | | |
| 5. | कोई अन्य जमाराशियां [नीचे दी गयी टिप्पणी (3) के अनुसार] | 120 | | |
| 6. | कुल (4+5) | 130 | | |
| 7. | उपबृक्षित मव 6 की कुल जमाराशियों में से निम्नालिखित इस प्रकार हैं : | | | |
| | (i) मांग पर अथवा नोटिस पर अथवा 6 महीने से कम में देय* | 141 | | |
| | (ii) 6 महीनों की या उससे अधिक परंतु 12 महीनों से कम अवधि के लिए* | 142 | | |
| | (iii) 12 महीनों की या उससे अधिक परंतु 24 महीनों से कम अवधि के लिए* | 143 | | |
| | (iv) 24 महीनों की या उससे अधिक परंतु 48 महीनों से कम अवधि के लिए | 144 | | |
| | (v) 48 महीनों की अथवा उससे अधिक परंतु 60 महीनों से कम अवधि के लिए | 145 | | |
| | (vi) 60 महीनों की अवधि के लिए | 146 | | |
| | (vii) 60 महीनों से अधिक परंतु 84 महीनों से कम की अवधि के लिए | 147 | | |
| | (viii) 84 महीनों की अवधि के लिए | 148 | | |
| | (ix) 84 महीनों से अधिक की अवधि के लिए* | 149 | | |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|-----|-----|-----|-----|
| 8. कुल [7 (i) से (ix) तक का जोड़ उपर्युक्त मद 6 के साथ मेल खानी चाहिए] | | 140 | | |
| 9. उपर्युक्त मद 6 की कुल जमाराशियों में से ब्याज राहत और ब्याज वाली जमाराशियाँ (बलाली को छोड़कर, यदि कोई हो तो) £ (ब्याज दर : वार्षिक प्रतिशत) | | | | |
| (i) ब्याज रहित* | | 151 | | |
| (ii) 6 प्रतिशत से कम | | 152 | | |
| (iii) 6 प्रतिशत या उससे अधिक परंतु 9 प्रतिशत से कम | | 153 | | |
| (iv) 9 प्रतिशत या उससे अधिक परंतु 11 प्रतिशत से कम | | 154 | | |
| (v) 11 प्रतिशत या उससे अधिक परंतु 13 प्रतिशत से कम | | 155 | | |
| (vi) 13 प्रतिशत या उससे अधिक परंतु 14 प्रतिशत से कम | | 156 | | |
| (vii) 14 प्रतिशत पर | | 157 | | |
| (viii) 14 प्रतिशत से अधिक* | | 158 | | |
| 10. कुल [9 (i) से (viii) तक का जोड़ उपर्युक्त मद 6 के साथ मेल खानी चाहिए] | | 150 | | |
| 11. उपर्युक्त मद 6 की जमाराशियों का जमाराशियों के आकार के अनुसार वर्गीकरण) नीचे दी गयी टिप्पणी 4 भी देखें) | | | | |
| (i) रु० 5,000 तक | | 161 | | |
| (ii) रु० 5,001 से रु० 10,000 तक | | 162 | | |
| (iii) रु० 10,001 से रु० 25,000 तक | | 163 | | |
| (iv) रु० 25,001 से रु० 50,000 तक | | 164 | | |
| (v) रु० 50,001 से रु० 1,00,000 तक | | 165 | | |
| (vi) रु० 1,00,000 से अधिक* | | 166 | | |
| | कुल | 160 | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|-----|---|---|
| 12. उपर्युक्त मद 6 की कुल जमाराशियों में से (नीचे दी गयी टिप्पणी 5 भी देखें) | | | | |
| (i) जिनकी अवधि पूर्ण हो चुकी है परन्तु दावा नहीं किया गया है | | 171 | | |
| (ii) जिनकी अवधि पूर्ण हो चुकी है और दावा किया गया है परन्तु चुकौती नहीं की गयी है | | 172 | | |
| 13. उपर्युक्त मद 4 में दर्शित प्रकार की जमाराशियों में से | | | | |
| (i) वर्ष के दौरान स्वीकार की गयी/नवीकृत जमाराशियां | | 181 | | |
| (ii) भुगतान द्वारा चुकायी गयी या वर्ष के दौरान नवीकृत जमाराशियां | | 182 | | |
| 14. उपर्युक्त मद 5 में दर्शित प्रकार की जमाराशियों में से | | | | |
| (i) वर्ष के दौरान स्वीकार की गयी/नवीकृत जमाराशियां | | 191 | | |
| (ii) भुगतान द्वारा चुकायी गयी या वर्ष के दौरान नवीकृत जमाराशियां | | 192 | | |
| 15. उपर्युक्त मद 6 की कुल जमाराशियों में से, अनिवासी भारतियों से प्राप्त जमाराशियां | | 193 | | |

£ विवरणों के इस भाग के साथ एक विवरण भी प्रस्तुत किया जाना चाहिए जिसमें जमाराशियों की अवधियों अर्थात् 24 महीनों, 36 महीनों से अधिक आदि के अनुसार जमाराशियों के प्रकारों पर प्रस्तावित ब्याज दरों तथा अदा की गयी दलाली की दरों का भी उल्लेख हो।

*ब्याज अलग से प्रस्तुत किये जाएं।

टिप्पणी : (1) मद 1 के संबंध में

जिन डिबेंचरों का कुछ भाग परिवर्तनीय और कुछ भाग अपरिवर्तनीय हो, उनके अपरिवर्तनीय अंश से संबंधित राशि इस मद में शामिल की जानी चाहिए और परिवर्तनीय भाग को भाग-2 की मद संख्या 10 में दिखाया जाना चाहिए।

(2) मद 2 के संबंध में

यदि कंपनी सार्वजनिक कंपनी है और भाग-2 की टिप्पणी (1) में विनिर्दिष्ट किये गये अनुसार इसके निदेशकों से घोषणा प्राप्त नहीं की गयी है तो ऐसी जमाराशियों को इस मद में दिखाया जाना चाहिए।

(3) मद 5 के सम्बन्ध में

यदि कंपनी निजी कंपनी है और भाग-2 की टिप्पणी (1) में विनिर्दिष्ट किये गये अनुसार घोषणा प्राप्त नहीं की गयी है तो ऐसी जमाराशियों को इस मद में दिखाया जाना चाहिए।

(4) मद 11 के संबंध में

(i) खातों की संख्या और राशियों की गणना जमाराशियों की प्रत्येक श्रेणी के संबंध में की जानी चाहिए।

(ii) जोड़ विवरणों के भाग-1 की मद सं० 6 में दिखाये गये जोड़ से मेल खाने चाहिए।

(5) मद 12 के संबंध में

यदि चुकायी न गयी कुल जमाराशियां 5 लाख रुपये से अधिक हों तो प्रत्येक जमाराशि न चुकाये जाने के कारण और चुकौती के लिए किये गये उपायों को एक अनुबद्ध में दर्शाया जाना चाहिए।

(6) भाग-2 में दिखायी गयी राशियों को भाग-1 में सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए।

भाग-2

छूट प्राप्त उधारों आदि के व्यौरे, जिनकी गणना जमा राशियों के रूप में नहीं की जानी है
(दिनांक 26 जून 1989 की अधिसूचना सं० एनएचबी एचएफसी डीआइआर-1/सीएमडी-89 का पैराग्राफ 3 और 4 देखें)

31 मार्च 19 की स्थिति के अनुसार

| मद सं० | व्यौरे | मद कूट | खातों की संख्या | राशि (हजार रुपयों में) |
|--------|--|--------|-----------------|------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार(रों) से प्राप्त धन अथवा अन्यो से प्राप्त धन, जिसकी चुकौती केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार(रों) द्वारा प्रत्याभूत है अथवा किसी स्थानीय प्राधिकरण से प्राप्त धन | 201 | | |
| 2. | किसी विदेशी सरकार अथवा किसी अन्य प्राधिकरण से प्राप्त धन (नीचे दी गयी टिप्पणी 3 भी देखें) | 202 | | |
| 3. | राष्ट्रीय आवास बैंक से लिये गये उधार | 203 | | |
| 4. | बैंकों तथा अन्य विनिर्दिष्ट वित्तीय संस्थाओं से लिये गये उधार | 204 | | |
| 5. | किसी अन्य कंपनी से प्राप्त धन | 205 | | |
| 6. | निदेशकों से प्राप्त धन [नीचे दी गयी टिप्पणी (1) देखें] | 206 | | |
| 7. | किसी निजी कंपनी द्वारा शेयरधारकों से प्राप्त धन [नीचे दी गयी टिप्पणी (1) और (2) देखें] | 207 | | |
| 8. | कंपनी के कर्मचारियों से जमानत की राशि के रूप में प्राप्त धन | 208 | | |
| 9. | कम्पना के कारोबार के मिलमिले में ऋण, विक्रय और अन्य एजेंटों से जमानत अथवा अग्रिम के रूप में प्राप्त धन अथवा माल की आपूर्ति के आर्डरों अथवा सम्पत्तियों अथवा प्रदान की गयी सेवाओं के संबंध में अग्रिम के रूप में प्राप्त धन | 209 | | |
| 10. | अचल सम्पत्तियों के बंधक द्वारा रक्षित डिबेंचरों अथवा परिवर्तनीय डिबेंचरों के निर्गम से प्राप्त धन [भाग 1 की मद सं० (1) भी देखें]। | 210 | | |
| 11. | ऐसे शेयरों अथवा जमानती डिबेंचरों में अभिदान के रूप में प्राप्त कोई धन जिनका आवंटन बाकी हो अथवा कम्पनी के अन्तर्नियमों के अनुसार शेयरों के संबंध में अग्रिम मांग के रूप में प्राप्त कोई धन, जब तक कि कम्पनी के अन्तर्नियमों के अधीन शेयरधारकों को ऐसी धन की वापसी अदायगी न की जाना हो | 211 | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--|---|-----|---|---|
| 12. न्यास के रूप में प्राप्त धन या मार्गस्थ धन | | 212 | | |
| 13. कुल (1 से 12)* | | 200 | | |

*मद कूट 200 में दिये जाने वाले आंकड़े मद कूट 201 से 212 तक के आंकड़ों को जोड़कर प्राप्त किये जायें।

टिप्पणी: (1) इन मदों में केवल ऐसा धन दिखाया जाना चाहिए जो उन व्यक्तियों से प्राप्त हुआ हो जिन्होंने लिखित रूप में यह घोषणा की हो कि उम व्यक्ति/उन व्यक्तियों ने उक्त धन किसी अन्य व्यक्ति से उधार लेकर अथवा जमा राशि स्वीकार करके अर्जिन की गयी निधियों में से नहीं दिया है। अन्यथा, इसे भाग 1 की मद सं० 2 अथवा 5 में, जैसी भी स्थिति हो, दिखाया जाना चाहिए जैसा कि भाग 1 की टिप्पणी (2) और (3) में दर्शाया गया है।

(2) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 43अ के अधीन सार्वजनिक कम्पनी के रूप में मानी गयी किसी निजी कम्पनी के शेयरधारकों से प्राप्त धन को भी उपर्युक्त टिप्पणी (1) में उल्लिखित घोषणा प्राप्त किये जाने पर, इस मद में शामिल किया जाना चाहिए।

(3) मद 2 में दिये गये आंकड़ों का अलग-अलग विवरण निम्नलिखित रूप में दिया जाये :

| विदेशी एजेंसी | मद कूट | खातों के नाम | राशि (हजार रूपयों में) |
|----------------------|--------|--------------|------------------------|
| (अ) विदेशी सरकार | 221 | | |
| (ब) विदेशी प्राधिकरण | 222 | | |
| (क) अनिवासी भारतीय | 223 | | |

भाग-3

“शुद्ध स्वाधिकृत निधियां” दर्शाने वाला विवरण

| मद सं० | व्योरे | मद कूट | राशि (हजार रूपयों में) |
|--------|--|--------|------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | शुद्ध स्वाधिकृत निधियां (विवरणी की पूर्ववर्ती तारीख स्थिति के अनुसार अंतिम लेखा परीक्षित तुलन-पत्र के अनुसार आंकड़े प्रस्तुत किये जायें—तुलन-पत्र दिनांक.....) | | |
| | (i) चुकता पूंजी | 311 | |
| | (ii) निबंध प्रारक्षित निधियां* | 312 | |
| | कुल (i+ii) | 310 | |
| 2. | (i) घाटे की संचित शेष राशि | 321 | |
| | (ii) आस्थगित राजस्व व्यय को शेष राशि | 322 | |
| | (iii) अन्य अमूर्त आस्तियां (कृपया बताये) | 323 | |
| | कुल (i*+ii+iii*) | 320 | |
| | शुद्ध स्वाधिकृत निधियां (1-2) | 300 | |

*कृपया विवरणी भरने के लिए अनुदेशों की मद-5 देखें।

भाग-4

बकाया ऋण और अग्रिम दर्शाने वाला विवरण

31 मार्च 19..... को

| मद सं० | पार्टी का नाम | मद कूट | राशि (हजार रुपयों में) |
|--------|---------------|--------|------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |

1. एक ही समूह की कंपनियां [कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 372 (11) में यथा परिभाषित]

(क)

(ख)

(ग)

(घ)

आदि

(कृपया अलग-अलग कंपनियों के नाम और उनसे प्राप्त राशियों का उल्लेख करें)

| | |
|-----|-----|
| कुल | 410 |
|-----|-----|

2. अन्य

| | |
|--|-----|
| (क) कंपनियां जो एक ही समूह की नहीं हैं | 421 |
| (ख) निवेशक | 422 |
| (ग) शेयरधारक | 423 |
| (घ) मुख्य कार्यपालक अधिकारी और अन्य कर्मचारी | 424 |
| (ङ) क्रय, विक्रय और अन्य एजेंट | 425 |
| (च) अन्य | 426 |

| | |
|-----|-----|
| कुल | 420 |
|-----|-----|

3. कुल जोड़ (1+2) 400

टिप्पणी : (1) विविध देनदारों, अग्रिम रूप में प्रदा किये गये करों और अन्य वसूल करने योग्य मदों, जो ऋण और अग्रिम के स्वरूप की नहीं हैं, को इस विवरण में न दर्शाया जाए।

(2) अन्य कंपनियों के पास सावधि जमा राशियां यथास्थिति मद 1 या मद 2(क) के अंतर्गत शामिल की जाएं, न कि भाग 5 में।

भाग-4, 1

“अन्य” को दिये गये ऋण और अग्रिम दशनि वाला विवरण

(भाग 4 का 428)

| आवास ऋण की श्रेणी/ आकार (रु०) | मद कूट | संवितरण | | | | | | वर्ष के दौरान चुकायी गयी राशि | 31 मार्च को बकाया राशि |
|---|-----------|---------------------|------------------------|------|-------------|------|---|-------------------------------------|---------------------------|
| | | कुल सं० राशि | उनमें से निम्नलिखित को | | | | | | |
| | | | अनु० जा० | | अनु० जन० | | | | |
| | | | सं० | राशि | सं० | राशि | | | |
| | | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | | |
| नये आवासों के अर्जन/निर्माण के लिए | | | | | | | | | |
| 20,000 तक | 451 | | | | | | | | |
| 20,000 से अधिक और 50,000 तक | 452 | | | | | | | | |
| 50,000 से अधिक और 1,00,000 तक | 453 | | | | | | | | |
| 1,00,000 से अधिक और 3,00,000 तक | 454 | | | | | | | | |
| उप-जोड़ | 450 | | | | | | | | |
| मकानों की बड़ी मरम्मतों सहित विस्तार के लिए | | | | | | | | | |
| 20,000 तक | 461 | | | | | | | | |
| 20,000 से अधिक और 30,000 तक | 462 | | | | | | | | |
| 30,000 से अधिक | 463 | | | | | | | | |
| उप-जोड़ | 460 | | | | | | | | |
| कुल जोड़ (450+460) | 470 | | | | | | | | |

भाग-5

निवेश दर्शाने वाला विवरण

31 मार्च 19..... को

| मद सं० | व्योरे | मद कूट | राशि (हज़ार रुपयों में) |
|-----------|--|-----------|-------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1. | एक ही समूह की कंपनियों के शेयर और डिबेंचर (जैसा कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 372 (11) में परिभाषित है) | | |
| | (क) | | |
| | (ख) | | |
| | (ग) | | |
| | (घ) | | |
| | आदि | | |
| | (कृपया अलग-अलग कंपनियों के नाम और उनमें निवेश की गयी राशियों का उल्लेख करें) | | |
| | | कुल | 510 |
| 2. | ऐसी कंपनियों के शेयर और डिबेंचर जो एक ही समूह की नहीं हैं | | |
| | (क) | | |
| | (ख) | | |
| | (ग) | | |
| | (घ) | | |
| | आदि | | |
| | (कृपया उल्लेख करें) | | |
| | | कुल | 520 |
| 3. | अन्य निवेश (जैसे सरकारी और अन्य न्यासी प्रतिभूतियों में किये गये निवेश, बैंकों के पास आबधि जमा राशियों, भारतीय यूनिट ट्रस्ट के यूनिटों में किये गये निवेश) | | |
| | (क) | | |
| | (ख) | | |
| | (ग) | | |

| (1) | (2) | (3) | (4) |
|---------------------|-----|-----|-----|
| (घ) | | | |
| आदि | | | |
| (कृपया उल्लेख करें) | | | |
| | | कुल | 530 |
| 4. कुल जोड़ (1+2+3) | | | 500 |

टिप्पणी : इस भाग में शेयरों और डिबेंचरों, चाहे वे निवेश खाते में या व्यापार स्टाक के रूप में धारित हों, के ब्यौरे शामिल किये जाने चाहिये।

भाग—6

जमाराशियों और अनिष्ट अस्तियों अर्थात् नीचे दी गई मद सं० 1 और 2 से संबंधित ब्यौरों में प्रत्येक महीने के अन्त के आंकड़े दिए जाने चाहिये जो वर्ष के 31 मार्च को समाप्त होने वाले उन बारह महीनों की अवधि के लिए हों जिनके संदर्भ में विवरणी प्रस्तुत की जाये।

(राशियां हजार रुपयों में)

| मद सं० | ब्यौरे | गत वर्ष | | | | | | | | | चालू वर्ष | | |
|--------|--------|---------|-----|-----|-------|-------|------|--------|-----|------|-----------|-----|-------|
| | | अप्रैल | मई | जून | जुलाई | अगस्त | सित० | अक्तू० | नव० | दिस० | जन० | फर० | मार्च |
| | | 601 | 602 | 603 | 604 | 605 | 606 | 607 | 608 | 609 | 610 | 611 | 612 |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |

1. भाग 1 की मद सं० 6 से दर्शायी गई जमाराशियां

2. अनिष्ट अस्तियां*

(क) अनुसूचित बैंकों में चालू खाते अथवा किसी अन्य जमाराशि खाते से शेष जो किसी प्रकार के प्रभार अथवा पुनर्ग्रहणाधिकार से मुक्त हों।

(ख) केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार (य), की भार रहित प्रतिभूतियों में या अन्य भार रहित प्रतिभूतियों में निवेश जिनसे किसी न्यासी को न्यास धन के निवेश करने का अधिकार है।

3. 1 में 2 का अनुपात

*कृपया दिनांक 26 जून, 1989 की अधिसूचना सं० एन० एच० बी० एच० एक० सी० डी० आई० आर०-1/सी० एमडी०-89 का परा 11 देखें।

टिप्पणी : 1. महीने के तीसरे तीन अंकों की जो संख्या दर्शायी गई है वह सब की कूट संख्या है।

2. चूक के कारण, यदि कोई हों तो, दिए जाएं।

प्रमाण पत्र

*प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/

प्राधिकृत अधिकारी का

प्रमाण पत्र :

- (1) प्रमाणित किया जाता है कि दिनांक 26 जून 1989 की अधिसूचना सं० एन एच बी एच एफ सी डी आइ आर-1/ सी एम डी-89 के पैराग्राफ 3(V) के परंतुक के अनुसार यथा अपेक्षित इस आशय की घोषणाएं निदेशकों और/अथवा जेयरधारकों से लिखित रूप में प्राप्त हो चुकी हैं कि उन्होंने कंपनी को धन, अन्य व्यक्तियों से उधार लेकर अथवा जमा राशियां स्वतंत्र रूप से अर्जित की गयी निधियों में से नहीं दिया है।
- (2) प्रमाणित किया जाता है कि जमा राशियां दिनांक 26 जून 1989 की अधिसूचना सं० एन एच बी एच एफ सी० डी आइ आर-1/सी एम डी-89 के पैराग्राफ 4 में निर्धारित रूप से स्वीकार, नवीकृत अथवा परिवर्तित क गयी हैं।
- (3) प्रमाणित किया जाता है कि कंपनी ने दिनांक 26 जून 1989 की अधिसूचना सं० एन एच बी०ए एफ सी० डी आइ आर-1/सी एम डी-89 के पैराग्राफ 5, 6, 9 और 10 की अपेक्षाओं का अनुपालन किया है।
- (4) प्रमाणित किया जाता है कि जमा राशियों के रजिस्टर, दिनांक 26 जून 1989 की अधिसूचना सं० एन एच बी एच एफ सी डी आइ आर-1/सी एम डी-89 के पैराग्राफ 7 में निर्दिष्ट तरीके से रखे जा रहे हैं।
- (5) प्रमाणित किया जाता है कि विवरणी में प्रस्तुत विवरण/सूचना का सत्यापन कर लिया गया है और उसे सभी प्रकार से सही और पूर्ण पाया गया है।

(जो भी प्रमाण पत्र लागू न हो उसे काट दें)

*प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/

प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

नाम :

पदनाम :

दिनांक :

स्थान :

विवरणी के अनुलग्नक :

निम्नलिखित दस्तावेज, यदि पहले ही न भेजे जा चुके हों, विवरणी के साथ प्रस्तुत किये जाने चाहिए। कृपया संलग्न किये गये दस्तावेज के लिए मद के सामने दिये गये खाने में सही का निशान लगायें और अन्य मामलों में उनके प्रस्तुत किये जाने की तारीख का उल्लेख करें।

- (1) लेखा-परीक्षित तुलन-पत्र और लाभ-हानि लेखों की एक प्रति, जो इस विवरणी की तारीख की निकटतम तारीख से संबंधित हो। ☐
- (2) नमूना हस्ताक्षर कार्ड (कृपया अनुदेश सं० 7 देखें) ☐
- (3) दिनांक 26 जून 1989 की अधिसूचना सं० एन एच बी एच एफ सी डी आइ आर-1/सी एम डी-89 के पैराग्राफ 5 में उल्लिखित आवेदन पत्र की एक प्रति ☐
- (4) प्रमुख अधिकारियों की ओर निदेशकों के नामों और पदों की सूची (कृपया अनुदेश सं० 6 देखें) ☐

*जो भी लागू न हो, उसे काट दें।

RESERVE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

URBAN BANKS DEPARTMENT

"THE ARCADE" WORLD TRADE CENTRE

Bombay-400005, the 18th July 1989

Society has ceased to be a cooperative bank within the meaning of the said Act.

Name of the Society _____ State _____
 Municipal Corporation of Delhi Employees
 Cooperative Thrift and Credit Society Ltd.,
 Room No. 3, Kacha Bagh Town Hall
 Chandni Chowk Delhi-6. _____ Delhi

No. UBD, BR. 98/A.18-89/90.—In pursuance of Sub-
 Section (2) of Section 36A read with Clause (Za) of Section
 56 of the Banking Regulation Act, 1949, the Reserve Bank
 of India hereby notifies that the following Salary Earners

P. B. MATHUR
 Joint Chief Officer

PUBLIC DEBT OFFICE

New Delhi the 12th August 1989

Industrial Finance Corporation of India Bonds

In pursuance of Regulation 10 of the Industrial Finance Corporation (Issue & Management of Bonds) Regulations 1949, the following list for the half-year ended 30th June, 1989 is hereby advertised of the Industrial Finance Corporation of India Bonds lost etc. in respect of which prima-facie grounds exist for believing that the securities have been lost and that the claim of the applicants is just. All Persons other than the respective claimants named below who have any claim upon these bonds should communicate immediately with the Manager, Reserve Bank of India, Public Debt Office New Delhi.

2. The list is divided into two parts, part 'A' the list of securities advertised for the first time and part 'B' the list of securities previously advertised.

PART 'A'

| No. of the Security | Value in Rs. | In whose name issued | From what date bearing interest | Name/s of the Claimant/s for issue of duplicate/s payment of discharge value | No. & date of order issued. |
|---------------------|--------------|----------------------|---------------------------------|--|-----------------------------|
| NIL | | | | | |

PART 'B'

| No. of the Security | Value in Rs. | In whose Name issued | From what date bearing interest | Name/s of the claimant(s) for issue of duplicate(s)/ payment of discharge value. | No. & Date of order passed | Date of publication of the list in which the security was first published |
|--|--------------|----------------------|---------------------------------|--|----------------------------|---|
| 6.25% Industrial Finance Corporation of India Bonds 1988 (2nd Series) | | | | | | |
| DH-000241 | 10,000/- | Vinod Kumar & Co. | 14-6-80 | Trustees, Sumitomo Indian Staff Provident Fund. | IFC/LN-2 dated 3-2-87 | 8-8-87 |

B. M. L. SEHGAL,
 Joint Manager.

Bangalore, 28th February 1989

LIST OF LOST ETC. OF INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA BONDS
 FOR THE HALF YEAR ENDED 30TH JUNE 1989

PART A—NIL

PART B

6% Industrial Finance Corporation of India Bonds 1988 (II Series) :—

| No. of Security | Value in Rs. | In Whose name issued | From What date bearing int. | Name(s) of Claimant(s) for issue of duplicate and/or payment of discharge value | No. of and date of orders issued | Date of publication list in which the security was first published |
|-----------------|--------------|--|-----------------------------|---|----------------------------------|--|
| BL 000092 | Rs. 50,000/- | The Karnataka Industrial Co-operative Bank Limited | 29-10-84 | The Karnataka Industrial Co-operative Bank Ltd. | CO. 69 A dated 27-9-88 | 12-11-88 |
| BL 000093 | Rs. 53,000/- | Do. | Do. | Do. | Do. | Do. |

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 1st August 1989

No. N-15/13/13/3/84-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 16-7-1989 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the U.P. Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1954 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of U.P. namely :—

"Existing area of Municipal limits/Cantt. limits of Shahajahanpur and revenue villages of Ransor, Chandhera, Ghuraria, Misripur, Ahmedpur, Nyazpur Villages in which the Industrial Estate of Roza fall i.e. (Vallia) Hathura, Buzarg at Sabia, Jamupin Karaunda, Marha, Lalpur, Janoor, Akra-Rasulpur, Akri Rasulpur "Ant-saliya in Tehsil sadar Shahjanpur of Pargana and Distt. Shahajahanpur.

Sd/. ILLEGIBLE
Director (PLG. & DEV.)

REGIONAL OFFICE ORISSA

Bhubaneswar-751007, the 26th April 1989

Sub : Re-constitution of Local Committee, Hirakud area, Hirakud.

No. 44-V.34/12/13/82-Cordn.—It is hereby notified that the Local Committee set up under Regulation 10-A of E.S.I. (general) Regulations, 1950 for the areas within the jurisdiction of Hirakud in the State of Orissa has been re-constituted with the following officials and persons as Chairman and members.

1. Under Regulation 10 (A)(i)(a) :
The Deputy Labour Commissioner, Sambalpur Chairman.
2. Under Regulation 10(A)(i)(a) :
The District Labour Officer, Sambalpur Memb
3. Under Regulation 10(A)(i)(a) :
The IMO l/c ESI Dispensary, Hirakud
4. Under Regulation 10 (A)(i)(a) :
(Employers Representative) Do.

1. Shri Ashok Kumar Patra,
Personnel Officer, Almunium Industries,
Hirakud.
2. Shri Krishna Narayan, Manager (Personne
Hirakud Industries Works, Hirakud.
3. Shri Rabinarayan Mohapatra, Medical
Officer, Indian Almunium Company,
Hirakud.

Do.

5. Under Regulation 10(A)(i)(e) :
(Employers' Representative :)
1. Shri Laxmikanta Das, Turner,
Hirakud Industrial Works, Hirakud.
2. Shri Krishna Chandra Biswal, Lab.
Attendant Indian Almunium Co. Hirakud
3. Shri Kamal Kumar Roth, Security Guard,
Almunium Industries Hirakud.
6. Under Regulation 10;(A)(i)(f) :
The Manager, Local Office, ESIC, Hirakud.

Member
and ex-
officio
Secretary.

The Re-constitution takes effect from the date of its notification.

4—199 GI/89

The 27th April 1989

Sub : Re-constitution of Local Committee.

No. 44-V.34/12/6/82-Cordn.—It is hereby notified that the Local Committee, Choudwar set up under Regulation 10-A of the ESI (general) Regulation 1950 has been re-constituted consisting of the following members with effect from the date of the issue of this notification.

Chairman

1. Under Regulation 10(A)(i)(a) :
Deputy Labour Commissioner, Cuttack.

Members

2. Under Regulation 10-A(i)(b) :
District Labour Officer, Cuttack.
3. Under Regulation 10-A(i)(c) :
Superintendent, ESI Hospital, Choudwar.
4. Under Regulation 10-A(i)(d) :
Employers' Representatives.
1. Sri R. K. Panda, A.L.W.O., Personnel
Department of M/s. O. T. M. Ltd., Choudwar.
2. Sri S. Mohapatra, Senior Personnel
Department of T.P.M. No. 3 Mill, Choudwar.
5. Under Regulation 10-A(i)(e) :
Employers' Representatives.
1. Sri Kailash Chandra Nayak, An employee of
Orissa Textile Mills, Choudwar, on behalf of the
Jatiya Sramajibi Congress, Choudwar.
2. Sri Balabhadra Nayak, on behalf of the Mazdoor
Sangha, T.P.M. No. 3, Daulatabad, Cuttack.

Ex-Officio Member-Secretary

6. Under Regulation 10-A(i)(f) :
The Manager, Local Office, E.S.I.
Corporation, Choudwar.

VIJAY KUMBHARE
Regional Director

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(DEPARTMENT OF POSTS)

New Delhi-1, the 20th July 1989

NOTICES

No. 25-18/89-LI.—P.L.I. Policies particularised below having been lost from the Department custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta, has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insureds. The public are hereby cautioned against dealing with original policies :—

| Sl. No. | Policy No. & date | Name of Insurant | Amount (Rs.) |
|---------|---------------------------------------|------------------|--------------|
| | 1. 168571-C EA/55 Dated 28-7-76 | Shri I.S. Gurung | 15,000 |

The 24th July 1989

No. 25-15/89-LI.—P.L.I. Policies particularised below having been lost from the Departmental custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insureds.

surants. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies :—

| Sl. Policy No. & Date | Name of Insurant | Amount (Rs.) |
|-----------------------|-----------------------|--------------|
| 1. 383589-P EA/58 | Shri Nathu Ram Khosla | 5,000 |

No. 25-7/89-LI.—P.L.I. Policies particularised below having been lost from the Departmental custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta, has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insurants. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies :—

| Sl. Policy No. & Date | Name of Insurant | Amount (Rs.) |
|-----------------------|------------------|--------------|
| 1. 314351-P | Shri Lal Singh | Rs. 8,000 |

JYOTSNA DIESH
Director (PLI)

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND
COMMISSIONER

New Delhi-110001, the 1st August 1989

No. P.IV/1(12)/85/Pt.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees, Employees' Provident Fund hereby makes the following rules to amend the Employees' Provident Fund Organisation Hindi Translator (Gr. II) Recruitment Rules, 1983 namely :—

1. (1) These Rules may be called the Employees' Provident Fund Organisation Hindi Translator (Gr. II) Recruitment (Amendment) Rules, 1989.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Employees' Provident Fund Organisation Hindi Translator (Gr. II) Recruitment Rules, 1983, the existing entries relating to age relaxation as appearing below column 7 of the Schedule shall be substituted as follows;

- (i) ("Relaxable upto 40 years in the case of General Candidates and 45 years in the case of Schedule Caste/Scheduled Tribe Candidates who are employees of Employees Provident Fund Organisation".)
- (ii) ("Relaxable upto 35 years for Government servants employees of Public Sector Undertakings, Autonomous Bodies and Corporations".)

Foot Note :

Original rules published in part-III, Section-4 of the Gazette of India dated 25th June, 1983 vide Notification No. P.III/Admn. R. II 14(3)/79 dated 9-6-1983.

No. P. IV/1(12)/85/Pt.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees, Employees' Provident Fund hereby makes the following rules to amend

the Employees' Provident Fund Organisation Stenographers Recruitment Rules, 1986 namely :—

1. (1) These Rules may be called the Employees' Provident Fund Organisation Stenographers Recruitment (Amendment) Rules, 1989.
- (2) They shall come into force on the date of their Publication in the Official Gazette.

2. In the Employees' Provident Fund Organisation Stenographers Recruitment Rules, 1986 the existing entries relating to age relaxation as appearing below column 7 of each Schedule of Stenographers (Gr. II) & (Gr. III) shall be substituted as follows :—

"(Relaxable upto 35 years for Government Servants and 40 years in the case of General Candidates and 45 years in the case of Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates who are employees under the Employees' Provident Fund Organisation)".

Foot Note :

Original rules published in Part-III, Section-4 of the Gazette of India dated 26-7-1986 vide Notification No. P. IV/2(4)/83/RR/dated 15-7-1986.

No. P. IV/1(12)/85/Pt.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees, Employees' Provident Fund hereby makes the following regulations to amend the Employees' Provident Fund Organisation Jr. Librarian & Library Attendant Recruitment Regulations 1985 namely :—

1. (1) These Regulations may be called the Employees' Provident Fund Organisation Jr. Librarian & Library Attendant Recruitment (Amendment) Regulations, 1989.
- (2) They shall come into force on the date of their Publication in the Official Gazette.

2. In the Employees' Provident Fund Organisation Jr. Librarian & Library Attendant Recruitment Regulations 1985, the existing entries relating to age relaxation as appearing below column 7 of each Schedule of Jr. Librarian & Library Attendant shall be substituted as follows :—

"(Relaxable upto 35 years for Government Servants and 40 years in the case of General Candidates and 45 years in the case of Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates who are employees under the Employees' Provident Fund Organisation)".

Foot Note :

Original Regulations published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 dated 4-5-1985, Notification No. P. III/2(3)/83/RR/P. IV dated 16-4-1985.

No. P. IV/1(12)/85/Pt.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees, Employees' Provident Fund hereby makes the following Regulations to amend the Employees' Provident Fund Organisation Electrician (Wireman) Recruitment Regulations 1986, namely :—

1. (1) These Regulations may be called the Employees' Provident Fund Organisation Electrician (Wireman) Recruitment (Amendment) Regulations, 1989.
- (2) They shall come into force on the date of their Publication in the Official Gazette.

2. In the Employees' Provident Fund Organisation Electrician (Wireman) Recruitment Regulations, 1986, the existing

entries relating to age relaxation as appearing below 6 of the Schedule shall be substituted as follows :—

“(Relaxable upto 35 years for Government Servants and 40 years in the case of General Candidates and 45 years in the case of Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates who are employees under the Employees’ Provident Fund Organisation)”.

Foot Note :

Original Regulations published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 dated 22-2-86 vide Notification No. P. IV/2 (3)/Electrician/84/dated 7-2-1986.

No. P. IV/1(12)/85/Pt.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees’ Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees, Employees’ Provident Fund hereby makes the following rules to amend the Employees’ Provident Fund Organisation Plumber and Pump Operator Recruitment Rules, 1986, namely :—

1. (1) These Rules may be called the Employees’ Provident Fund Organisation Plumber and Pump Operator Recruitment (Amendment) Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their Publication in the Official Gazette.

In the Employees’ Provident Fund Organisation Plumber and Pump Operator Recruitment Rules, 1986, the existing entries relating to age relaxation as appearing below column 6 of the Schedule shall be substituted as follows :—

“(Relaxable for the employees of the Employees’ Provident Fund Organisation upto 40 years in the case of General Candidates and 45 years in the case of Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates)”.

Foot Note :

Original Rules published in the Gazette of India, Part-II, Section-4, dated 26-7-86 vide Notification No. P. IV/14)/84/RR dated 11-7-86.

No. P. IV/1(12)/85/Pt.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees’ Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees, Employees’ Provident Fund hereby makes the following Regulations to amend the Employees’ Provident Fund Organisation *Staff Car Driver/Jeeep Driver and Despatch Rider/Scooter Driver* Recruitment Regulations, 1986, namely :—

(1) These Regulations may be called the Employees’ Provident Fund Organisation *Staff Car Driver/Jeeep Driver and Despatch Rider/Scooter Driver* Recruitment (Amendment) Regulations, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their Publication in the Official Gazette.

2. In the Employees’ Provident Fund Organisation *Staff Car Driver/Jeeep Driver and Despatch Rider/Scooter Driver*, Recruitment Regulations 1986, the existing entries relating to age relaxation as appearing below column 7 of each Schedule of *Staff Car Driver/Jeeep Driver and Despatch Rider/Scooter Driver* shall be substituted as follows :—

“(Relaxable upto 35 years for Government Servants and 40 years in the case of General Candidates and 45 years in the case of Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates who are employees under the Employees’ Provident Fund Organisation)”.

Foot Note :

Original Rules published in the Gazette of India, Part-III, Section 4, dated 21-6-86 vide Notification No. P. IV/2(1)/84/RR/SCD dated 6-6-86.

No. P. IV/1(12)/85/Pt.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees’ Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees, Employees’ Provident Fund hereby makes the following Regulations to amend the Employees’ Provident Fund Organisation *Binder* Recruitment Regulations 1986, namely :—

1. (1) These Regulations may be called the Employees’ Provident Fund Organisation *Binder* Recruitment (Amendment) Regulations, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their Publication in the Official Gazette.

2. In the Employees’ Provident Fund Organisation *Binder* Recruitment Regulations, 1986 the existing entries relating to age relaxation as appearing below column 7 of the Schedule shall be substituted as follows ;

“(Relaxable for the employees of the Employees’ Provident Fund Organisation upto 40 years in the case of General Candidates and 45 years in the case of Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates)”.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner
And
Secretary, Central Board of Trustees,
Employees’ Provident Fund

Foot Note :

Original Regulations published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 dated 31-1-87 vide Notification No. P. IV/1(3)/86 dated 16-1-87.

INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA

NEW DELHI

Errata in respect of the Industrial Finance Corporation of India Employees' Provident Fund Regulations, 1948 published in the Gazette of India, Part III, Section 4 dated the 22nd April, 1989 from pages 491 to 500 vide Notification No. 4/89 dated 7th April, 1989

| Sl. No. | Page No. | Column & Line No. | For | Read |
|---------|----------|---|---|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | 491 | Regulation 3, Column 2, 4th line | the Chairman of | the Chairman or |
| 2. | 492 | Regulation 8, Column 1, 1st line Column 2, 1st line | same the this subscriber | Save the subscriber |
| 3. | 493 | Column 1, Regulation 11(2)(b) Second line | draws his pay | draws his pay |
| 4. | „ | Column 2 | Regulation 13 | these words be deleted |
| 5. | 494 | Column 1, Regulation 14(1), Second Proviso, 12th line | from the standing | from the sums standing |
| 6. | „ | Column 1, Regulation 14(1)(b) Second line | interest if the | interest, if the |
| 7. | „ | Regulation 14(1) Note (1), last line | to replaced | be replaced |
| 8. | „ | Column 2, Regulation 14(2)(b) (iii), 1st line. | such purchase | such purchase |
| 9. | 495 | Column 1, Regulation 14(2) (9), Second line | with three months | within three months |
| 10. | 496 | Column 1, Regulation 14-C (2)(a), sixth line | Manager/Deputy General Manager/ | Manager (Estt. & Accounts) in all cases and advances from the Fund above these limits may be sanctioned by the General Manager/Deputy General Manager/ |
| 11. | 497 | Column 1, Regulation 16 Regulation 16(b), first line Regulation 16(b) eighth line | On the date of a member or other than a | on the death of a member or members of other than a |
| 12. | 499 | I.F.C.P.F. 4, Second heading of the form | Relationship with nominee | Relationship with subscriber |
| 13. | 500 | I.F.C.P.F. 6 | my pay may be every month | my pay may be deducted every month |

CANTONMENT BOARD, BARRACKPORE CANTONMENT

Barrackpore, the 21st July 1989

No. S.R.O.E./II/24.—Whereas certain bye-laws further to amend the Bye-laws for Regulating the Control of Vehicles plying for hire and grant of licence to proprietors or drivers of such vehicles in the Cantonment of Barrackpore, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 3 dated 20th December, 1956, were published as required by Section 284 of the Cantonment Act, 1924 (2 of 1924), under the Cantonment Board's Notice No. E./II/24/114 dated the 09 November, 1988 for inviting objection and suggestions from all persons likely to be affected thereby till 08 December, 1988.

And whereas, no objection or suggestions were received;

And whereas the Central Government have duly approved and confirmed the said draft to amend the Bye-laws as required by sub-section (1) of the section 284 of the said Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (25) and (26) of Section 282 and section 283 of the Cantonment Act, 1924 (2 of 1924), the Cantonment Board Barrackpore hereby makes the following Bye-laws further amend the Bye-laws for Regulating the Control of Vehicles plying for hire and grant of licence to proprietors or drivers of such vehicles in the Cantonment of Barrackpore namely :—

1. (1) These bye-laws may be called the Bye-Laws for Regulating the Control of Vehicles (Amendment) Bye-laws, 1989.
- (2) They shall come into force on the date of the publication in the Official Gazette.
2. (1) In the Bye-laws for Regulating the Control of Vehicles, in bye-laws 6, for clause (iii), the following clause shall be substituted namely :—

“(iii) For a vehicles of the 4th class, described in bye-laws 4 (d) rupees ten per half year and thereof.”

- (ii) for bye-law 21, the following bye-law shall be substituted namely :—

"21. The fee payable for driver's licence of any class of vehicles described in bye-law 4 shall be rupee two per half year and part thereof."

(File No. 362590/BKP/LC-5/CANIT/EC/DE).

PRACHUR GOEL
Cantonment Executive Officer
Barrackpore Cantonment

NATIONAL HOUSING BANK

(Wholly owned by Reserve Bank of India)

Bombay-400 023, the 26th June 1989

No. NHB.HFC.DIR.1/CMD-89.—The National Housing Bank, as the principal agency, having considered it necessary in the public interest to give the directions mentioned below, hereby, in exercise of the powers conferred by Sections 30 and 31 of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) and of all the powers enabling it in this behalf, gives to every housing finance company, the directions hereinafter specified.

PART I—PRELIMINARY

1. Short title and commencement of the directions

These directions shall be known as the Housing Finance Companies (NHB) Directions, 1989. They shall come into force with effect from the 26th June, 1989 and any reference in these directions to the date of commencement thereof shall be deemed to be a reference to that date.

2. Definitions

(1) In these directions, unless the context otherwise requires,

- (a) "company" means a company as defined in Section 45 I (a) of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) but does not include a company which is being wound up under any law for the time being in force;
- (b) "banking company" means a banking company as defined in Section 3(c) of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949);
- (c) "housing finance company" means any institution as defined in Section 2(d) of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) but does not include a firm or an unincorporated association of individuals;
- (d) "deposit" shall have the same meaning as assigned to it in Section 45 I (bb) of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);
- (e) "depositor" means any person who has made a deposit with the housing finance company;
- (f) "free reserves" shall include the balance in the share premium account, capital and debenture redemption reserves and any other reserve shown or published in the balance sheet of a company and created through an allocation of profits, not being (i) a reserve created for repayment of any future liability or for depreciation in assets or for bad debt or (ii) a reserve created by revaluation of the assets of the company;
- (g) "securities" means shares, stock, bonds, debentures, debenture stock or securities issued by Government or by a local authority or other marketable securities of a like nature;
- (h) words or expressions used but not defined herein and defined in the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) shall have the same meaning as assigned to them in that Act. Any other words or expressions not defined herein or in the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) shall have

the same meaning as assigned to them in the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) and the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

- (2) (a) If any question arises as to whether a company is a financial institution or not, such question shall be decided by the National Housing Bank in consultation with the Central Government.
- (b) If any question arises as to whether a company is a housing finance company, the same shall be decided by the National Housing Bank having regard to the business primarily transacted by the company and other relevant factors.

3. Non-applicability of the directions to certain types of deposits of money—

Nothing contained in paragraphs 4 to 11 and 16 of these directions shall apply to the following types of deposits received by a housing finance company :

- (i) any money received from the Central Government or a State Government or any money received from any other source and the repayment of which is guaranteed by the Central Government or State Government or any money received from a local authority or a foreign Government or any other authority;
- (ii) any money received from a banking company or from the State Bank of India or from a banking institution notified by the Central Government under Section 51 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) or a corresponding new bank as defined in Section 3 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970) or as defined in Section 3 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980) or from a regional rural bank set up under the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976) or from a co-operative bank as defined in clause (b)(ii) of Section 2 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);
- (iii) any loan received from the National Housing Bank established under the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) or the Industrial Development Bank of India established under the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964) or the Industrial Credit & Investment Corporation of India Ltd. established under the Indian Companies Act, 1913 (7 of 1913) or the Industrial Finance Corporation of India established under the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948) or the Industrial Reconstruction Bank of India established under the Industrial Reconstruction Bank of India Act, 1984 (62 of 1984) or the Life Insurance Corporation of India established under the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956) or the Unit Trust of India established under the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) or the General Insurance Corporation of India and its subsidiaries set up under the Insurance Act, 1938 (4 of 1938) read with the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972) or any other financial institution wholly owned by the Central Government or a State Government or any other financial institution that may be notified by the National Housing Bank in this behalf;
- (iv) any money received from any other company not being a company incorporated outside India;
- (v) any money received from a person, who at the time of receipt of the money was or is a director of the company or any money received from its shareholders by a private company, including a private company deemed to be a public company by virtue of the provisions of Section 43A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

Provided that, in the case of any money received on or after the commencement of these directions, the person from

whom the money is received has furnished to the company at the time when the money is received, a declaration in writing that the money has not been given by him out of funds acquired by him by borrowing or accepting deposits from another person;

- (vi) any money received from an employee of the company by way of security deposit;
- (vii) any money received by way of security or as an advance from any purchasing agent, selling agent or other agent in the course of or for the purpose of the business of the company or any advance received against orders for the supply of goods or properties or for the rendering of any service;
- (viii) any money raised by the issue of debentures or bonds secured by the mortgage of immovable properties of the company or any part thereof, or any money raised by the issue of debentures or bonds with the option to convert such debentures or bonds into equity share capital;

Provided that, in the case of debentures or bonds secured by the mortgage of immovable properties, the amount of such debentures or bonds shall not exceed the market value of such immovable properties;

- (ix) any money received by way of subscription to any shares or stock pending the allotment of such shares or stock or any money received by way of subscription to debentures or bonds of the type specified in clause (viii) of this paragraph pending the allotment of such debentures or bonds and any money received by way of calls in advance on shares in accordance with the company's articles of association so long as such money is not repayable to the shareholders under the articles of association of the company;
- (x) any money received in trust or any money in transit.

PART II—ACCEPTANCE OF DEPOSITS

4. Acceptance of Deposits

(1) Period of deposits

On and from the 26th June, 1989 no housing finance company shall accept or renew any deposit whether accepted before or after the 26th June, 1989

- (a) which is repayable on demand or on notice; or
- (b) unless such deposit is repayable after a period of more than twenty four months but not later than eighty four months from the date of acceptance or renewal of such deposit.

Provided that the deposits accepted by a housing finance company before 26th June, 1989 shall, unless renewed in accordance with these directions, be repaid in accordance with the terms of such deposits.

Provided further that nothing contained in this sub-paragraph shall apply in respect of monies raised by the issue of debentures or bonds.

Explanation :

Where a deposit is received in instalments, the period of deposit shall be computed from the date of receipt of the first instalment.

- (2) Restriction on acceptance or renewal of deposits in excess of ceiling as stipulated and regularisation of deposits accepted earlier and held in excess of the ceilings.

On and from the 26th June, 1989 no housing finance company shall have deposits, the aggregate amount of which

together with the amounts, if any, held by it which are referred to in clauses (ii), (iii) and (viii) to paragraph 3, is in excess of the limits specified below :—

| Housing Finance Company with net owned funds | Borrowings as above as a multiple of the net owned funds. |
|--|---|
| (a) Upto Rs. 10 crores | 10 times |
| (b) Above Rs. 10 crores but below Rs. 20 crores | 12.5 times |
| (c) Above Rs. 20 crores | 15 times |

Provided that any loan obtained by a housing finance company from the National Housing Bank shall be excluded for the purposes of this clause.

Where a housing finance company holds, as on 26th June, 1989, deposits in excess of the limits specified above, it shall ensure that such excess is, before 1st April 1990, reduced by repayment of deposits or in any other manner as may be necessary for compliance with this provision.

Explanation :

For the purpose of this paragraph, "net owned funds" shall mean the aggregate of the paid up capital and free reserves as appearing in the latest audited balance sheet of the company as reduced by the amount of accumulated balance of loss, deferred revenue expenditure and other intangible assets, if any, as disclosed in the said balance sheet.

5. Particulars to be specified in application form soliciting deposits

On and from the 26th June, 1989, no housing finance company shall accept, renew or convert any deposit except on a written application from the depositor in the form to be supplied by the housing finance company, which form shall contain all the particulars specified in the Non-Banking Financial Companies and Miscellaneous Non-Banking Companies (Advertisement) Rules, 1977 made under Section 58A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

6. Furnishing of receipts to deposits

- (1) Every housing finance company shall furnish to every depositor or his agent, unless, it has done so already, a receipt for every amount which has been or which may be received by the housing finance company by way of deposit before or after the date of commencement of these directions.
- (2) The said receipt shall be duly signed by an officer entitled to act for the housing finance company in his behalf and shall state the date of deposit, the name of the depositor, the amount in words and figures received by the housing finance company by way of deposit, rate of interest payable thereon and the date on which the deposit is repayable.

7. Register of deposits

- (1) Every housing finance company shall keep one or more registers in which shall be entered separately in the case of each depositor the following particulars, namely,
 - (a) name and address of the depositor,
 - (b) date and amount of each deposit,
 - (c) duration and the due date of each deposit,
 - (d) date and amount of accrued interest or premium on each deposit,
 - (e) date and amount of each repayment, whether of principal, interest or premium, and
 - (f) any other particulars relating to the deposit.

- (2) The register or registers aforesaid shall be kept at the registered office of the housing finance company and shall be preserved in good order for a period of not less than ten years following the financial year in which the latest entry is made of the repayment or renewal of any deposit of which particulars are contained in the register :

Provided that, if the housing finance company keeps the books of account referred to in sub-section (1) of Section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) at any place other than its registered office in accordance with the proviso to that sub-section, it shall be sufficient compliance with this sub-paragraph if the register aforesaid is kept at such other place, subject to the condition that the housing finance company delivers to the National Housing Bank a copy of the notice filed with the Registrar under the proviso to the said sub-section within seven days of such filing.

8. Information to be included in the Board's report

- (1) In every report of the Board of Directors laid before the housing finance company in a general meeting under sub-section (1) of Section 217 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) after the date of commencement of these directions here shall be included, the following particulars or information, namely :

- (a) the total number of depositors of the housing finance company whose deposits have not been claimed by the depositors or paid by the housing finance company after the date on which the deposit became due for repayment or renewal, as the case may be, according to the contract with the depositor or the provisions of these directions, whichever may be applicable, and
- (b) the total amounts due to the depositors and remaining unclaimed or unpaid beyond the dates referred to in clause (a) as aforesaid.

- (2) The said particulars or information shall be furnished with reference to the position as on the last date of the financial year to which the report relates and if the amounts remaining unclaimed or undischursed as referred to in clause (b) of the preceding sub-paragraph exceed in the aggregate the sum of rupees five lakhs, there shall also be included in the report a statement on the steps taken or proposed to be taken by the Board of Directors for the repayment of the amounts due to the depositors and remaining unclaimed or undischursed.

9. Ceiling on the rate of interest and brokerage

On and from the 26th June, 1989, no housing finance company shall :—

- (a) invite or accept or renew any deposit on a rate of interest exceeding fourteen per cent per annum;
- (b) pay to any broker for deposits collected by or through him, brokerage, commission, incentive or any other benefit by whatever name called, in excess of two per cent (not per annum) or such deposit.

10. General provision regarding repayment of deposits

Where a housing finance company makes repayment of a deposit after the expiry of a period of more than twenty four months from the date of such deposit but before the expiry of the period for which such deposit was accepted by the housing finance company, the rate of interest payable by the housing finance company on such deposit shall be reduced by one per cent from the rate which the housing finance company would have ordinarily paid had the deposit been accepted for the period for which such deposit had run and the housing finance company shall not pay interest at any rate higher than the rate as so reduced.

Provided that, nothing contained in this paragraph shall apply to the repayment of any deposit before the expiry of the period for which such deposit was accepted by the housing finance company if such repayment is made solely for the purpose of complying with the provisions of these directions,

Explanation :

For the purpose of this paragraph, where the period for which the deposit had run contains any part of the year then, if such part is less than six months it shall be excluded and if such part is six months or more, it shall be reckoned as one year.

PART III—SPECIAL PROVISIONS

11. Maintenance of a minimum percentage of liquid assets

Every housing finance company shall maintain in India (a) in an account with a scheduled bank (free from any charge or lien) or (b) in unencumbered approved securities (such securities being valued at their market value for the time being) or partly in such an account or partly in such securities a sum which shall not at the close of business on any day be less than ten per cent of the deposits outstanding in the books of the housing finance company on that day.

Explanation :

For the purpose of this paragraph :

- (a) "approved securities" means securities in which the trustee is authorised to invest trust money under clause (a), clause (b), clause (bb), clause (c), clause (d) or clause (cc) of Section 20 of the Indian Trust Act, 1882 (2 of 1882);
- (b) "unencumbered approved securities" shall include the approved securities lodged by the housing finance company with another institution for an advance or any other credit arrangement to the extent to which such securities have not been drawn against or availed of;
- (c) balance in deposit accounts to the extent to which such deposits have not been drawn against shall be treated as liquid assets and taken into account.

PART IV—MISCELLANEOUS

12. Copies of balance sheet and accounts together with the Directors' report to be furnished to the National Housing Bank

Every housing finance company shall deliver to the National Housing Bank an audited balance sheet as on the last date of each financial year and audited profit and loss account in respect of that year as passed by the housing finance company in general meeting together with a copy of the report of the Board of Directors laid before the housing finance company in such meeting in terms of Section 217 (1) of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) within 15 days of such meeting.

13. Auditors and provision for submitting Auditor's certificate

Every housing finance company shall furnish to the National Housing Bank, along with the copy of the audited balance sheet as provided under paragraph 12, a certificate from its Auditors, being members of the Institute of Chartered Accountants, to the effect that the full liabilities to the depositors of the company, including interest payable thereon, are properly reflected in the balance sheet and that the company is in a position to meet the amount of such liabilities to the depositors.

14. Returns to be submitted to the National Housing Bank

- 1 (i) Without prejudice to the provisions of paragraph 12, every housing finance company shall submit to the National Housing Bank a return furnishing the information specified in the Schedule hereto, with reference to its position as on the date specified in the said Schedule.
- (ii) A copy of the return shall also be simultaneously furnished to the Reserve Bank of India.

- 2 (i) Every housing finance company shall, not later than one month from the coming into force of these directions or from the commencement of business, whichever is later, deliver to the National Housing Bank, a written statement containing a list of—

- (a) the names and the official designations of its principal officers;

(b) the names and residential addresses of the directors of the housing finance company; and

(c) the specimen signatures of the officers authorised to sign on behalf of the housing finance company, returns specified in sub-paragraph (1).

(ii) Any change in the list referred to in clause (i) of this sub-paragraph shall be intimated to the National Housing Bank within one month from the occurrence of such change.

15. *Balance Sheet, returns etc. to be submitted to the office of National Housing Bank at Bombay.*

Any balance sheets, returns or information required to be submitted or furnished to the National Housing Bank in pursuance of these directions shall be submitted or furnished to the office of National Housing Bank at Bombay.

16. *Statement in lieu of Advertisement*

(1) Where a housing finance company intends to accept deposits, without inviting or allowing or causing any other person to invite such deposits, it shall, before accepting deposits, deliver to the office of National Housing Bank at Bombay for registration, a statement in lieu of advertisement containing all the particulars required to be included in the advertisement pursuant to the Non-Banking Financial Companies and Miscellaneous Non-Banking Companies (Advertisement) Rules, 1977.

(2) A statement delivered under sub-paragraph (1) shall be valid till the expiry of six months from the date of closure of the financial year in which it is so delivered, or until the date on which the balance sheet is laid before the housing finance company in general meeting, or where the annual general meeting for any year has not been held, the latest day on which

that meeting should have been held in accordance with the provisions of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), whichever is earlier, and a fresh statement shall be delivered in each succeeding financial year before accepting deposits in that financial year.

17. *Exemptions*

The National Housing Bank may, if it considers it necessary for avoiding any hardship or for any other just and sufficient reason, grant extensions of time to comply with or exempt any housing finance company or class of housing finance companies, from all or any of the provisions of these directions either generally or for any specified period subject to such conditions as the National Housing Bank may impose.

18. *Saving of action taken or that may be taken for contravention of the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966 and 1977*

It is hereby clarified that the supersessions of the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966 and the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1977 as amended from time to time, shall not in any way affect :—

- (i) any right, obligation or liability acquired, accrued or incurred thereunder;
- (ii) any penalty, forfeiture, or punishment incurred in respect of any contravention committed thereunder;
- (iii) any investigation, legal proceeding or remedy in respect of any such right, privilege, obligation, liability, penalty, forfeiture or punishment as aforesaid.

and any such investigation, legal proceeding or remedy may be instituted, continued, or enforced and any such penalty, forfeiture or punishment may be imposed as if those directions had not been superseded.

K. S. SASTRY,
Chairman

NATIONAL HOUSING BANK
BOMBAY

SCHEDULE HFC. DIR-1

Dated the 26th June, 1989

(Please see paragraph 14 of the Notification No. NHB. HFC. DIR-1/CMD-89 dated the 26th June, 1989)
(To be filled in by all housing finance companies)

Return as on the 31st March 1989

(Please see Instruction No. 1 on Page 3)

1. Name of the Company :
.....Company Code@

2. Full address of the
(i) Registered Office :
.....
.....

PIN Code

Phone No

(ii) Head Administrative Office :
.....

PIN Code

Phone No.

3. Whether a Government Company + ?

Yes

☐

No

☐

4. State/ Union Territory in which the company is registered

.....Code@ name (description)

5. Status +

(i) Public Ltd.,

☐

(ii) Private Ltd.

☐

(iii) Branch of a foreign company

☐

D D M M Y Y Y Y

6. Date of

(i) Incorporation

| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|

D D M M Y Y Y Y

(ii) Commencement of business

| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|

D D M M Y Y Y Y

(iii) Financial year of company

| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|

7. Nature of businessCode@

8. No. of branches/offices £

9. Total number of employees ££

10. Whether a holding company or a subsidiary \$

11. Name(s) of the company's auditors and address(es)

12. Name(s) of the company's bankers and address (es)

@To be assigned by NHB.

*If it is a place other than the Registered Office.

†Tick the box which is applicable.

£A list showing the names and addresses of the places where the branches/offices of the company are situated should be enclosed.

££Includes persons working on full time, part time as well as on honorary basis.

\$If it is a subsidiary, the name of the holding company may be indicated.

INSTRUCTIONS FOR FILLING AND SUBMISSION OF THE RETURN

1. The Return, after compilation, should be submitted by a housing finance company covered by Notification No. NHB. HFC. DIR-1/CMD-89 dated the 26th June 1989 once a year before the 30th June with reference to its position as on the 31st March irrespective of the date of closing of the financial year of the company concerned to the office of the National Housing Bank at Bombay as specified in paragraph 14 of the aforesaid Notification. *A copy of the Return shall be forwarded to the Joint Chief Officer, Department of Financial Companies, Central Office Cell, Reserve Bank of India, Bombay.*

2. The submission of the Return should not be delayed for any reason such as the finalisation/completion of the audit of the annual accounts. The compilation of the Return should be on the basis of the figures available in the books of accounts of the company.

3. The number of accounts should be given in actual figures while the amounts of deposits should be given in thousands of rupees. Amount should be rounded off to the nearest thousand. For example, an amount of Rs. 4,560 should be shown as 5 and not as 4.6 or 5000. Similarly an amount of Rs. 61,495 is to be shown as 61 not as 61.4 or 61000.

4. The period-wise classification of deposits should be made against the various heads under item No. 7 of Part I of the Return according to the periods for which they have been originally received last renewed and not according to the periods they have to run as from the 31st March i.e. the date of the Return.

5. "Free reserves" mentioned under item 1 of Part 3 shall include the balance in the share premium account, capital and

debenture redemption reserves and any other reserve shown or published in the balance sheet and created through an allocation of profits, but not being :—

- (i) a reserve created for repayment of any future liability or for depreciation in assets or for bad debts or
- (ii) a reserve created by revaluation of the assets of the company.

6. A list containing the names and the designations of the principal officers as also the names and addresses of the directors of the company should be attached in case it has not so far been sent to the National Housing Bank as required by paragraph 14 of the Notification No. NHB. HFC. DIR-1/CMD-89 dated the 26th June 1989 and any change in the list should also be intimated to the office of the National Housing Bank to which this Return is submitted.

7. The Return should be signed by the Manager (as defined in Section 2 of the Companies Act, 1956) and if there is no such Manager, by the Managing Director or any official of the company who has been duly authorised by the Board of Directors and whose specimen signature has been furnished to the National Housing Bank for the purpose. In case the specimen signature has not been furnished in the prescribed Card, the Return may be signed by the authorised official and his specimen signature furnished separately.

8. In case there is nothing to report in any part of the Return, it should be marked 'Nil' and the Manager's/Managing Director's/Authorised official's Certificate appended to the Return should be duly signed.

PART—1

Particulars of deposits outstanding as on the 31st March, 19

(Amounts in thousands of rupees)

| Item No. | PARTICULARS | Item Code | Number of accounts | Amount |
|----------|--|-----------|--------------------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | Unsecured debentures (other than convertible or secured debentures vide note (1) below). | 111 | | |
| 2. | Deposits received by a public company from its share-holders (vide note (2) below). | 112 | | |
| 3. | Deposits guaranteed by directors in their personal capacity | 113 | | |
| 4. | Total (1+2+3) | 110 | | |
| 5. | Any other deposits (vide note (3) below). | 120 | | |
| 6. | Total (4+5) | 130 | | |
| 7. | Of the item total deposits at item 6 above, those | | | |
| | (i) Repayable on demand or on notice or otherwise in less than 6 months*. | 141 | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|--|---|-----|---|
| (ii) For a period of 6 months or more but less than 12 months.* | | 142 | |
| (iii) For a period of 12 months or more but less than 24 months* | | 143 | |
| (iv) For a period of 24 months or more but less than 48 months | | 144 | |
| (v) For a period of 48 months or more but less than 60 months | | 145 | |
| (vi) For a period of 60 months | | 146 | |
| (vii) For a period of more than 60 months but less than 84 months | | 147 | |
| (viii) For a period of 84 months | | 148 | |
| (ix) For a period of more than 84 months* | | 149 | |
| 8. Total [7 (i) to (ix) should tally with item 6 above] | | 140 | |
| 9. Of the total deposits at item 6 above, those of free of interest and bearing interest (excluding brokerage, if any)£ (Rate of interest : per cent per annum) | | | |
| (i) Free of interest* | | 151 | |
| (ii) Below 6% | | 152 | |
| (iii) 6% or more but less than 9% | | 153 | |
| (iv) 9% or more but less than 11% | | 154 | |
| (v) 11% or more but less than 13% | | 155 | |
| (vi) 13% or more but less than 14% | | 156 | |
| (vii) At 14% | | 157 | |
| (viii) More than 14%* | | 158 | |
| 10. Total [9 (i) to (viii) should tally with item 6 above] | | 150 | |
| 11. Break-up of deposits at item 6 above according to the size of deposits (see also note 4 below) | | | |
| (i) Upto Rs. 5,000 | | 161 | |
| (ii) Rs. 5,001 to Rs. 10,000. | | 162 | |
| (iii) Rs. 10,001 to Rs. 25,000 | | 163 | |
| (iv) Rs. 25,001 to Rs. 50,000 | | 164 | |
| (v) Rs. 50,001 to Rs. 1,00,000 | | 165 | |
| (vi) Over Rs. 1,00,000* | | 166 | |
| Total | | 160 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------|--|-----|---|---|
| 12. | Of the total deposits at item 6 above (see also note 5 below) | | | |
| (i) | those which have matured but not claimed | 171 | | |
| (ii) | those which have matured and claimed but not paid | 172 | | |
| 13. | Of the deposits of the type at item 4 above | | | |
| (i) | deposits accepted/renewed during the year | 181 | | |
| (ii) | deposits repaid by payment or renewal during the year | 182 | | |
| 14. | Of the deposits of the type at item 5 above | | | |
| (i) | deposits of accepted/renewed during the year | 191 | | |
| (ii) | deposits repaid by payment or renewed during the year | 192 | | |
| 15. | Of the total deposits at item 6 above, deposits received from non-resident Indians | 193 | | |

£A statement showing the rates of interest offered as also the rates of brokerage paid on different types of deposits according to their periods i.e. exceeding 24 months, 36 months etc. should also be submitted along with this part of the Return.

*Details should be furnished separately.

Note : (1) Re : item 1

The amount in respect of non-convertible portion of the debentures which are partly convertible and partly non-convertible, may be included under this item and the convertible portion may be shown against item 10 of Part—2.

(2) Re : item 2

If the company is a public company and a declaration as specified in note (1) of Part-2 has not been obtained from its directors, such deposits should be shown against this item.

(3) Re : item 5

If the company is a private company and a declaration as specified in Note (1) of Part—2 has not been obtained, such deposits should be shown against this item.

(4) Re : item 11

(i) Number of accounts and the amounts should be calculated in respect of each range of deposit.

(ii) The totals should tally with those shown at item No. 6 of Part—1 of the return.

(5) Re : item 12

If the aggregate amount of deposits not repaid exceeds Rs. 5 lakhs, the reasons for non-payment of each deposit and the steps taken for repayment should be indicated in an Annexure.

(6) The amounts shown in Part—2 should not be included in Part—1.

PART—2

Particulars of exempted borrowings, etc., not counting as deposits (vide paragraphs 3 and 4 of Notification No. NHB. HFC. DIR-1/CMD-89 dated the 26th June, 1989.

As on the 31st March 19
(Amounts in thousands of rupees)

| Item No. | PARTICULARS | Item Code | Number of accounts | Amount |
|----------|--|-----------|--------------------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | Money received from the Central or State Government(s) or money received from others, the repayment of which is guaranteed by the Central or State Government(s) or money received from a local authority. | 201 | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----|---|-----|---|---|
| 2. | Money received from a foregin Government or any other authority (see also note 3 below). | 202 | | |
| 3. | Borrowings from National Housing Bank. | 203 | | |
| 4. | Borrowings from banks and other specified financial institutions. | 204 | | |
| 5. | Money received form any other company. | 205 | | |
| 6. | Money received from directors [vide note (1) below]. | 206 | | |
| 7. | Money received by a private company from the shareholders [vide notes (1) and (2) below]. | 207 | | |
| 8. | Money received from employees of the company by way of security deposit. | 208 | | |
| 9. | Money Received by way of security or advance from purchasing, selling, or other agents in the course of company's business or advance received against orders for supply of goods or properties or for rendering of services. | 209 | | |
| 10. | Money received by issue of debentures secured by mortgage of immovable properties or convertible debentures [see also item No. (1) of Part 1]. | 210 | | |
| 11. | Money received by way of subscription to any shares or secured debentures pending allotment or money received by way of calls in advance on shares in accordance with the Articles of Association of the compay so long as such amount is not repayable to the shareholders under the Articles of Association of the company. | 211 | | |
| 12. | Money received in trust or money in transit. | 212 | | |
| 13. | Total (1 to 12)* | 200 | | |

*The data against item code 200 should be obtained by adding the data for item codes 201 to 212.

Note : (1) Only money received from such persons on a declaration in writing that the money has not been given by such person(s) out of funds acquired by him/them by borrowing or accepting deposits from another person should be shown against these items. Otherwise, it should be shown against item Nos. 2 or 5 of Part 1 as the case may be, as indicated in Notes (2) and (3) of Part 1.

(2) Money received from the shareholders of a private company deemed as a public company under Section 43A of the Companies Act, 1956, should also be included under this item subject to the obtaining of declaration referred to in note (1) above.

(3) Break-up of figures reported against item 2 may be given as under:

(Amounts in thousands of rupees)

| Foreign agency | Item Code | Number of accounts | Amount |
|--------------------------|-----------|--------------------|--------|
| (a) Foreign Government | 213 | | |
| (b) Foreign Authority | 222 | | |
| (c) Non-resident Indians | 223 | | |

PART—3

Statement showing the “net owned funds”

| Item No. | PARTICULARS | Item Code | Amounts (in thousands of rupees) |
|----------|---|-----------|----------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Net owned funds (figures to be furnished as per the last audited balance sheet preceding the date of the return-Balance sheet as on.....) | | |
| | (i) Paid-up Capital | 311 | |
| | (ii) Free Reserves* | 312 | |
| | Total (i + ii) | 310 | |
| 2. | (i) Accumulated balance of loss | 321 | |
| | (ii) Balance of deferred revenue expenditure | 322 | |
| | (iii) Other intangible assets (Please specify) | 323 | |
| | Total (i + ii + iii) | 320 | |
| 3. | Net owned funds (1—2) | 300 | |

*Please see item 5 of the instructions for filling in the Return.

PART—4

Statement showing outstanding loans and advances

As on the 31st March 19

| Item No. | Name of the Party | Item Code | Amounts (in thousands of rupees) |
|----------|--|-----------|----------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Companies in the same group (as defined in Section 372(11) of the Companies Act, 1956) | | |
| | (a) | | |
| | (b) | | |
| | (c) | | |
| | (d) | | |
| | etc. | | |
| | (Please specify the names and amounts due from individual companies) | | |
| | Total | 410 | |
| 2. | Others | | |
| | (a) Companies not in the same group | 421 | |
| | (b) Directors | 422 | |
| | (c) Shareholders | 423 | |

| 1 | 2 | 3 | 7 |
|---|---|-----|---|
| (d) Chief Executive Officer and other employees | | 424 | |
| (e) Purchasing, Selling and other Agents | | 425 | |
| (f) Others | | 426 | |
| Total | | 420 | |
| 3. Grand Total (1+2) | | 400 | |

Note ; (1) Sundry debtors, tax paid in advance and other recoverable items not in the nature of loans and advances should not be shown in this statement.

(2) Fixed deposits with other companies should be included under item 1 or item 2(R) as the case may be, and not in Part 5.

PART — 4.1

Statement of loans and advances to 'Others' (426 of Part 4)

| Category/Size (Rs.) of housing loan | Item Code | Disbursements | | | | | | Amount repaid during the year | Amount out- standing as on March 31,— |
|--|--------------|---------------|------|--------------|------|-------------|------|--|---|
| | | Total | | of which to | | | | | |
| | | | | Sch. Caste : | | Sch. Tribes | | | |
| | | No. | Amt. | No. | Amt. | No. | Amt. | | |
| | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | | |
| For acquisition/construction of new houses | | | | | | | | | |
| Upto 20,000 | 451 | | | | | | | | |
| Above 20,000 and upto 50,000 | 452 | | | | | | | | |
| Above 50,000 and upto 1,00,000 | 453 | | | | | | | | |
| Above 1,00,000 and upto 3,00,000 | 454 | | | | | | | | |
| Sub-Total | 450 | | | | | | | | |
| For upgradation including major repairs of houses | | | | | | | | | |
| Upto 20,000 | 461 | | | | | | | | |
| Above 20,000 and upto 30,000 | 462 | | | | | | | | |
| Above 30,000 | 463 | | | | | | | | |
| Sub-total | 460 | | | | | | | | |
| Grand Total (450+460) | 470 | | | | | | | | |

PART — 5

Statement showing investments

As on the 31st March 19

| Item No. | Particulars | Item code | Amounts (in thousand of rupees) |
|-------------|--|-----------|---------------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Shares and debentures of companies in the same group (as defined in Section 372 (11) of the Companies Act, 1956) | | |
| (a) | | | |

Note : Details of shares and debentures whether held in investment account or by way of stock-in-trade should be included in this part.

Particulars relating to deposits and liquid assets, i.e. items 1 and 2 below should contain the data as at the end of each month for a period of twelve months ending on the 31st March of the year, with reference to which the return is submitted.

(Amount in thousands of rupees)

| Item | particulars | Previous year | | | | | | | | | Current year | | |
|--|-------------|---------------|------------|-------------|-------------|-------------|--------------|-------------|-------------|-------------|--------------|-------------|-------------|
| | | April 601 | May 602 | June 603 | July 604 | Aug. 605 | Sept. 606 | Oct. 607 | Nov. 608 | Dec. 609 | Jan. 610 | Feb. 611 | Mar. 612 |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| 1. Deposits as shown against item No. 6 of part 1 | | | | | | | | | | | | | |
| 2. Liquid Assets | | | | | | | | | | | | | |
| (a) Balance in Current or any other deposit account with scheduled banks free from any charge or lien. | | | | | | | | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|

(b) Investments in unencumbered securities of the Central Government or in other unencumbered securities in which a Trustee is entitled to invest trust money

3. Ratio of 2 to 1

*Please see paragraph 11 of the Notification No. NHB. HFC. DIR-1/CMD-89 dated the 26th June, 1989.

Note : 1. The three digit number appearing below the month indicates the item code.

2. Reasons for default, if any, may be specified.

CERTIFICATE

*Manager's/Managing Director's/

Authorised Official's

Certificate :

(1) Certified that declarations have been obtained in writing, as required in terms of the proviso to paragraph 3 (v) of the Notification No. NHB. HFC. DIR-1/CMD-89 dated the 26th June 1989 from the directors and/or shareholders that the money has not been given by them to the company out of the funds acquired by them by borrowing or accepting deposits from other persons.

(2) Certified that deposits have been accepted, renewed or converted on and from the 26th June, 1989 in the manner prescribed in paragraph 4 of the Notification No. NHB.HFC.DIR-1/CMD-89 dated the 26th June, 1989.

(3) Certified that the company has complied with the

requirements of paragraphs 5, 6, 9 & 10 of the Notification No. NHB.HFC.DIR-1/CMD-89 dated the 26th June, 1989.

(4) Certified that the Registers of deposits are being maintained on the lines indicated in paragraph 7 of the Notification No. NHB.HFC.DIR-1/CMD-89 dated the 26th June, 1989.

(5) Certified that the particulars/information furnished in the Return have been verified and found to be correct and complete in all respects.

(Strike off whichever certificate is not applicable).

Signature of *Manager/Managing Director/Authorised Official :

Date :

Place :

Name :

Designation :

Enclosures to the Return :

The following documents should be submitted along with the Return in case they have not already been sent. Please tick in the box against the item for the document enclosed and state the date of submission in other cases.

(1) A copy of the audited balance sheet and profit and loss account dated nearest to the date of this Return.

(2) Specimen signature card (Please see instruction No. 7).

(3) A copy of the application form referred to in paragraph 5 of the Notification No. NHB.HFC.DIR-1/CMD-89 dated the 26th June 1989.

(4) A list of principal officers and the names and addresses of directors (Please see instruction No. 6).

☐
☐
☐
☐

Strike off whichever is not applicable.

